संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
बुधवार
4 फरवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 222
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

सूरजकुंड मेले में कैदियों के हुनर की सशक्त प्रस्तुति

पेज-8

पंजाब एस.जी.एस.टी. विकास दर के मामले में पूरे भारत में सबसे आगे: हरपाल सिंह चीमा

एस.जी.एस.टी. वसूली दर में 14.4 प्रतिशत की वृद्धि, राष्ट्रीय औसत को भी किया पार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत सरकार द्वारा जीएसटी 2.0 दर को तर्कसंगत बनाने के कारण राजस्व संबंधी चुनौतियों के बावजूद, पंजाब ने जनवरी 2026 के दौरान जीएसटी जुटाने में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है, जो बेहतर अनुपालन, केंद्रित लागूकरन और निरंतर आर्थिक गतिविधियों को दर्शाता है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए वित्त, आबकारी एवं कर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि जनवरी 2026 के दौरान राज्य में कुल 2452.66 करोड़ रुपये जीएसटी वसूला गया है, जबकि शुद्ध जीएसटी वसूली के मामले में जनवरी 2025 की तुलना में 15.7 प्रतिशत की दर से वर्ष-दर-वर्ष 315 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है।

श्री चीमा ने कहा कि यह उपलब्धि काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि जीएसटी 2.0 दर में कटौती के कारण पंजाब को हर महीने लगभग 250 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ा, जिससे धागा, टेक्सटाइल, हॉजरी, फार्मास्यूटिकल्स, बीमा, टायर और सीमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्र प्रभावित हुए। इस नुकसान के बावजूद, राज्य ने न केवल राजस्व पर पड़े प्रभाव की भरपाई की, बल्कि निरंतर प्रशासनिक और लागूकरण प्रयासों के माध्यम से राष्ट्रीय रुझान से भी अधिक विकास दर हासिल की।

अधिक जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर (जनवरी 2026 तक), शुद्ध जीएसटी वसूली की दर में 13.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप वसूला गया कुल जीएसटी 19,415 करोड़ रुपये से बढ़कर 22,014 करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि के दौरान कुल जीएसटी वसूली की दर में भी 13.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पंजाब में कर आधार के लचीलेपन को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 में एसजीएसटी नकद वसूली के मामले में भी असाधारण प्रदर्शन दर्ज किया गया है, जिसमें 14.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह विकास दर इस महीने के दौरान भारत के सभी राज्यों में सबसे अधिक है। यह दर राष्ट्रीय औसत लगभग 6 प्रतिशत से काफी अधिक है, जिससे पंजाब पूरे भारत में अग्रणी बनकर उभरा है।

मंत्री ने आगे बताया कि राज्य सरकार द्वारा करदाताओं की सुविधा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। केवल जनवरी 2026 के दौरान ही 129 करोड़ रुपये के एसजीएसटी रिफंड जारी किए गए, जबकि महीने में कुल रिफंड किया गया जीएसटी लगभग 300 करोड़ रुपये है। समय पर और नियमित रूप से रिफंड सुनिश्चित करना तथा व्यापक स्तर पर राजस्व जुटाना एक परिपक्व, पारदर्शी और करदाता-अनुकूल कर प्रशासन को दर्शाता है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि प्रवर्तन संबंधी कार्रवाइयों के भी सार्थक परिणाम सामने आए हैं। स्टेट इंटेलिजेंस एंड प्रिवेंटिव यूनिट्स (एसआईपीयू) ने जनवरी 2026 के दौरान सड़कों पर जांच, निरीक्षण और सत्यापन के माध्यम से आईटीसी चोरी को रोककर और जाली बिलिंग के रुझान को रोककर 200 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार किया है।

लोक सभा में आसन की ओर कागज फेंकने के मामले में कांग्रेस के सात और माकपा का एक सदस्य निलंबित

नयी दिल्ली- लोक सभा में मंगलवार को कांग्रेस सदस्य मणिक्कम टैगोर सहित आठ सदस्यों को पीठासीन की अवहेलना करने और आसन की ओर कागज फेंकने के आरोप में बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया।

इन सदस्यों में श्री टैगोर के अलावा कांग्रेस के अमरिन्दर सिंह 'राजा वडिंग', गुरदीप सिंह औजला, हिबी ईडेन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत यादवराव पाडोले और सी किरण कुमार रेड्डी तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) रिपीट माकपा के एस वेंकटेशन शामिल हैं। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कथित रूप से बोलने का अवसर न देने के मुद्दे पर कांग्रेस के सदस्यों ने आज भी हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। हंगामे के दौरान इन सदस्यों ने आसन के समक्ष पहुंच कर नारेबाजी की और कुछ कागज उछाले।

अपराह्न तीन बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई तो पीठासीन दिलीप सैकिया ने कांग्रेस के इन सदस्यों के नाम का उल्लेख किया। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने इन सदस्यों को शेष अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव किया, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। श्री रिजिजू ने निलंबन का प्रस्ताव रखते हुए कहा, "इन सदस्यों के कदाचार, सदन और आसन की घोर अवहेलना, महासचिव और अन्य अधिकारियों के स्थान की ओर आने और सदन के बीचोबीच आने तथा कागज फेंकने का सदन कड़ा संज्ञान लेता है।"

सोने की चमक बढ़ी, चांदी का दाम फिर 2.63 लाख रुपए प्रति किलो के पार

मुंबई। सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को फिर से तेजी देखने को मिली है। इससे सोने का दाम 1.51 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 2.63 लाख रुपए प्रति किलो के पार पहुंच गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 2,783 रुपए बढ़कर 1,51,529 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जो कि पहले 1,48,746 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,251 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,38,801 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। 18 कैरेट सोने का दाम 1,11,560 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,13,647 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं, चांदी की कीमत 4,465 रुपए बढ़कर 2,63,965 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 2,59,500 रुपए प्रति किलो थी। हाल के दिनों में सोने और चांदी में बड़ी तेजी देखी गई थी। इस दौरान हाजिर बाजार में सोने ने 1,76,121 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी ने 3,85,933 रुपए प्रति किलो का ऑल टाइम हाई बनाया था।

हाजिर बाजार के मुकाबले मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। सोने के 2 अप्रैल 2026 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 5.68 प्रतिशत बढ़कर 1,52,174 रुपए और चांदी के 5 मार्च 2026 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 13.14 प्रतिशत बढ़कर 2,67,298 रुपए हो गई है।

मोटी-मोटी बातें

अमृतसर में सरहद पार से चल रहे हथियार तस्करी नेटवर्क के दो गुर्गे 7 पिस्तौलों सहित काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/अमृतसर(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई गई मुहिम के दौरान, अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल के तीन गुर्गों को सात आधुनिक पिस्तौलों समेत गिरफ्तार करके इस मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान रेशम सिंह उर्फ घुल्ला (30) निवासी गांव डलेरी, तरनतारन, सुमित उर्फ सचिन (28) निवासी गुमानपुरा, अमृतसर और विशाल कुमार (22) निवासी भिखीविंड, तरनतारन के रूप में हुई है। बरामद किए गए पिस्तौलों में तीन 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, एक इटली का बना 9 एमएम बेरेटा, एक तुर्की का बना 9 एमएम जिगाना, एक तुर्की का बना 9 एमएम पीएक्स5 ग्लॉक और एक .30 बोर का पिस्तौल शामिल है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए मुलजिम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के सीधे संपर्क में थे, जो ड्रोन के जरिए अवैध हथियारों की खेप भेजते थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार मुलजिम अपने हैंडलरों के निर्देशों पर इन अवैध हथियारों को आगे डिलीवर करते थे।

डीजीपी ने बताया कि इस मामले के आगे-पीछे के संबंध स्थापित करने के लिए जांच जारी है।

इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए कमिश्नर ऑफ पुलिस (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि विशेष और विश्वसनीय गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीमों ने एक सुनियोजित ऑपरेशन चलाया जिसमें आरोपी रेशम सिंह उर्फ घुल्ला को दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौलों समेत गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उसके द्वारा बताए गए स्थान से तीन और पिस्तौल बरामद किए गए।

हरियाणा में 7 आईएएस अधिकारियों के तबादले

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने तत्काल प्रभाव से 7 आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। हिसार के मंडल आयुक्त श्री रवि प्रकाश गुप्ता को शहरी संपदा विभाग का प्रधान सचिव और मंडल आयुक्त, हिसार लगाया गया है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के महानिदेशक एवं सचिव श्री अंशज सिंह को श्री नरहरि सिंह बांगड़ के स्थान पर नागरिक उड्डयन सलाहकार तथा सचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक श्री विक्रम को हरियाणा मिनरल्स लिमिटेड, नई दिल्ली में प्रबंध निदेशक तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है।

जिला नगर आयुक्त, अंबाला तथा नगर निगम, अंबाला के आयुक्त श्री वीरेंद्र लाठर को शिकायत निवारण विभाग में विशेष सचिव के साथ-साथ जिला नगर आयुक्त, अंबाला तथा नगर निगम, अंबाला का आयुक्त लगाया गया है।

रोहतक के उपायुक्त श्री सचिन गुप्ता को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग में अतिरिक्त सचिव तथा एचएसएमआईटीसी का प्रबंध निदेशक लगाया गया है। वे रोहतक के उपायुक्त भी रहेंगे। कैथल की उपायुक्त सुश्री अपराजिता को सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग का अतिरिक्त सचिव तथा निदेशक लगाया गया है। वे कैथल की उपायुक्त भी रहेंगी।

श्री नरहरि सिंह बांगड़ के नियुक्ति आदेश बाद में जारी किए जाएंगे। नागरिक उड्डयन सलाहकार तथा सचिव के कार्यभार से मुक्त होने के बाद वे अपनी ज्वाइनिंग रिपोर्ट मुख्य सचिव कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे।

मणिपुर में सरकार गठन की राह साफ, वाई खेमचंद सिंह चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता

नई दिल्ली- मणिपुर में वाई. खेमचंद सिंह को मंगलवार को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। इसके साथ ही, पूर्वोत्तर राज्य में उनके नेतृत्व में सरकार गठन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी घटक दलों के विधायकों की बैठक मंगलवार रात को होगी, जिसमें सिंह के नाम को राजग विधायक दल के नेता के रूप में अनुमोदित किए जाने की उम्मीद है।

सूत्रों के अनुसार, सिंह को मणिपुर भाजपा विधायक दल की बैठक में इस पद के लिए चुना गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों के अलावा, बैठक में पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक तरुण चुघ और पूर्वोत्तर प्रभारी संबित पात्रा सहित अन्य नेता भी उपस्थित थे। मणिपुर में 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू है। राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद 60 सदस्यीय विधानसभा को निलंबित कर दिया गया था।

वर्तमान में, मणिपुर में भाजपा के 37 विधायक हैं। 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के 32 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। जनता दल (यूनाइटेड) ने छह सीटें जीती थीं, जिनमें से पांच विधायक बाद में भाजपा में शामिल हो गए।

अन्य विधायकों में से छह नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) से, पांच नागा पीपुल्स फ्रंट से, पांच कांग्रेस से, दो कुकी पीपुल्स अलायंस से, एक जद (यू) से और तीन निर्दलीय हैं। एक मौजूदा विधायक का निधन हो जाने के कारण वर्तमान में एक सीट रिक्त है।

भारत-पाक मैच पर PCB को चेतावनी, जियोस्टार कर सकता है कानूनी कार्रवाई

कराची/नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को चेतावनी दी है कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार के कारण उसे टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारक जियोस्टार की ओर से कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यह जानकारी पीसीबी के एक सूत्र ने मंगलवार को दी।

पाकिस्तान ने अपनी सरकार के निर्देश पर 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया है, लेकिन अभी तक उसने इस फैसले के कारणों को औपचारिक रूप से आईसीसी को नहीं बताया है। पीटीआई पहले ही सूत्रों के हवाले से खबर दे चुका है कि आईसीसी पाकिस्तान का सालाना राजस्व हिस्सा (लगभग 3.5 करोड़ डॉलर) रोक सकता है और उसी रकम से प्रसारकों को भुगतान कर सकता है। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पिछले सप्ताह इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को जानकारी देने से पहले बोर्ड के कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ली थी। इसके बावजूद बोर्ड गंभीर नतीजों के लिए तैयार है। पीसीबी के सूत्र ने कहा कि पाक अगर भारत के खिलाफ नहीं खेलने पर अड़ा रहा तो उसे वित्तीय जुर्माने के साथ प्रसारकों की ओर से मुकदमा भी झेलना पड़ सकता है। इसके अलावा आईसीसी की विवाद निपटान समिति में जाने की कोशिश भी शायद नाकाम रहे। आईसीसी की डीआरसी एक आंतरिक समिति है, जो आईसीसी बोर्ड के अपने फैसलों के खिलाफ अपील नहीं सुनती। पीसीबी के एक अन्य सूत्र ने कहा कि सरकार के निर्देश के बावजूद पीसीबी को परेशानी हो सकती है, क्योंकि पाकिस्तान इच्छा के अनुसार भारत में नहीं बल्कि तटस्थ स्थल श्रीलंका में अपने सभी मैच खेल रहा है। दूसरी बात यह है कि भारतीय सरकार ने अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलने की अनुमति नहीं दी है। मई में हुए टकराव के बाद भी एशिया कप या आईसीसी टूर्नामेंटों में तटस्थ स्थानों पर पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से नहीं रोका है। पीसीबी ने अभी तक लिखित रूप में आईसीसी को कोई सूचना नहीं दी है, लेकिन इस बहिष्कार के फैसले को बांग्लादेश को विश्व कप से हटाए जाने के बाद उसके समर्थन में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में कृषि समेत संवेदनशील क्षेत्रों के हितों को संरक्षण: गोयल

नयी दिल्ली- केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की हितों की रक्षा की गयी है और समझौते पर जल्द ही दोनों पक्ष साझा बयान जारी करेंगे।

श्री गोयल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दोनों देशों के अधिकारी समझौते के तकनीकी विवरण तय कर रहे हैं और जल्दी ही इस पर एक साझा बयान जारी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस समझौते से देश के हर क्षेत्र को अमेरिकी बाजार में अवसर मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसमें कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों का संरक्षण किया गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच सोमवार देर रात टेलीफोन वार्ता के बाद दोनों देशों में व्यापार वार्ता पर सहमति बनी। श्री ट्रम्प ने इसकी जानकारी देते हुए बताया था कि भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने पर सहमत हो गया है, और बदले में अमेरिका तत्काल प्रभाव से भारतीय उत्पादों पर जवाबी आयात शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। बदले में भारत 'अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क और आयात बाधाओं को घटाकर शून्य' कर देगा। उन्होंने बताया था कि भारत ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य क्षेत्रों में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदने के अलावा अमेरिका से आयात बढ़ायेगा।

श्री गोयल ने स्पष्ट किया कि 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पादों की खरीद पांच साल में होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तथा दूसरे विपक्षी दलों के संसद में इस मुद्दे पर हंगामे के कारण स्थिति स्पष्ट करने के लिए इस संवाददाता सम्मेलन की जरूरत पड़ी तथा समझौते के बारे में विस्तृत विवरण बाद में दिये जायेंगे।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की घोषणा से रुपये में जबरदस्त उछाल

मुंबई - अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के बाद मंगलवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 117.50 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.32 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर 91.4950 रुपये प्रति डॉलर पर बंद होने वाली भारतीय मुद्रा आज 119.50 रुपये की मजबूती के साथ 90.30 रुपये प्रति डॉलर पर खुली। इसमें काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। बीच कारोबार में यह ऊपर 90.05 रुपये और नीचे 90.52 रुपये प्रति डॉलर तक गयी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच सोमवार देर रात टेलीफोन पर हुई बात के बाद श्री ट्रंप ने व्यापार समझौते पर सहमति की घोषणा की। इसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति ने तत्काल प्रभाव से भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की। श्री ट्रंप ने बताया कि बदले में भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने और अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क घटाकर शून्य करने का आश्वासन दिया है।

रूस से तेल खरीद रोकने, अमेरिका से आयात में भारी वृद्धि के लिए तैयार हुआ भारत: ट्रम्प

वाशिंगटन- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से साथ टेलीफोन वार्ता के बाद कहा कि भारत अमेरिका से आयात में भारी वृद्धि करने, अमेरिकी सामानों पर आयात शुल्क 'शून्य' करने तथा रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने पर सहमत हो गया है, और बदले में अमेरिका भारतीय उत्पादों पर 'तत्काल प्रभाव से' आयात शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा।

श्री ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए श्री मोदी को अपना 'सबसे अच्छा मित्र' बताते हुए लिखा कि वह रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका, तथा संभवतः वेनेजुएला, से खरीद बढ़ाने पर सहमत हो गये हैं जिससे यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में मदद मिलेगी।

स्पेशल ओलंपिक केवल खेल नहीं, आत्मविश्वास और नेतृत्व का आंदोलन है : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए हरियाणा में बनेगा विशेष स्टेडियम, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की घोषणा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्पेशल ओलंपिक में शामिल होने वाले खिलाड़ी चुनौतियों को पार करते हुए यह संदेश दे रहे है कि यदि अवसर, प्रशिक्षण और विश्वास मिले, तो हर व्यक्ति असाधारण बन सकता है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में स्पेशल ओलंपिक भारत राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के शुभारंभ पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस चैम्पियनशिप में 26 राज्यों से 500 से अधिक खिलाड़ी, उनके कोच और सहयोगी भाग ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान घोषणा की है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सुगम्य भारत की सोच का अनुसरण करते हुए दिव्यांग खिलाड़ियों की सुविधा के लिए प्रदेश में एक दिव्यांग स्टेडियम बनाया जाएगा। इस स्टेडियम में दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए आवासीय सुविधा भी होगी। वहीं, मुख्यमंत्री ने स्पेशल ओलंपिक भारत को 31 लाख रुपये तथा खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने 21 लाख रुपये अनुदान देने की घोषणा भी की।

इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक के अभिलाषा कन्या छात्रावास परिसर में

गर्ल्स स्पोर्ट्स हॉस्टल के निर्माण का शिलान्यास भी किया। इस गर्ल्स स्पोर्ट्स हॉस्टल की क्षमता 150 छात्राओं की होगी। इस बहुमंजिला (ग्राउंड प्लस तीन) संरचना का कुल कवर एरिया लगभग 2374 वर्ग मीटर निर्धारित किया गया है, जिस पर करीब पांच करोड़ रुपये की लागत आएगी।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्पेशल ओलंपिक की विशेषता यही है कि यह हमें खेल को केवल पदक और प्रतिस्पर्धा की दृष्टि से नहीं, बल्कि मानव आत्मा की शक्ति और संभावनाओं के रूप में देखने की दृष्टि देता है। इस ओलंपिक में मैदान पर दौड़ते, कूदते और जीत के लिए संघर्ष करते खिलाड़ी हमें यह सिखाते हैं कि सीमाएं शरीर की नहीं होती है, बल्कि सोच में होती है। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर, यूथ एक्टिवेशन कार्यक्रम और एथलीट लीडरशिप ट्रेनिंग जैसी पहलें की जा रही हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से खिलाड़ियों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक सशक्तिकरण और नेतृत्व क्षमता का भी विकास किया जाता है। यही सच्चा समावेशन है, जहां खिलाड़ी केवल पदक विजेता नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय नागरिक, प्रेरणास्रोत और रोल मॉडल बनते हैं।

उन्होंने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि समाज में पैरालंपिक और स्पेशल ओलंपिक को एक-दूसरे का पर्याय मान लिया जाता है। वास्तव में दोनों अलग-अलग हैं, लेकिन समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। पैरालंपिक शारीरिक दिव्यांगता वाले खिलाड़ियों के लिए आयोजित किए जाते हैं। जबकि,स्पेशल ओलंपिक बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए एक वैश्विक आंदोलन है। स्पेशल ओलंपिक केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें प्रशिक्षण, सहभागिता, आत्मविश्वास और आजीवन विकास को समान महत्व दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'स्पेशल ओलंपिक भारत' केंद्र सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय से मान्यता प्राप्त है। यह हमारे देश की उस समावेशी खेल नीति का सशक्त प्रमाण है, जो हर नागरिक को उसकी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर देने में विश्वास रखती है। इटली में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड विंटर गेम्स में भारत के 49 सदस्यों के दल ने भाग लिया, इसमें 28 खिलाड़ियों ने 33 पदक जीतकर पूरे देश को गौरवान्वित किया। ये पदक खिलाड़ियों के संघर्ष, अनुशासन और आत्मविश्वास की कहानी हैं।

हरियाणा खेलों का पावर हाउस

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा खेलों का पावर हाउस है। यह गर्व की बात है कि इस भूमि ने देश को अनेक ओलंपियन और विश्व-विजेता चैंपियन दिए हैं। उन्होंने इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद हरियाणा के स्पेशल ओलंपिक खिलाड़ी केशव का जिक्र करते हुए उनकी उपलब्धियों की तारीफ की।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हम विकसित भारत और समावेशी भारत की ओर गति से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में स्पेशल ओलंपिक जैसे आयोजन हमें याद दिलाते हैं कि विकास का असली मापदंड यही है कि समाज का सबसे कमजोर व्यक्ति कितना सशक्त महसूस करता है। हरियाणा में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, खेलों के विकास और समावेशी नीतियों के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बस दुर्घटना में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज सुबह उत्तराखंड के कवाणु में हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस दुर्घटना में तीन लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। यह बस चौपाल से पांवटा साहिब जा रही थी। मुख्यमंत्री ने शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप से दूरभाष के माध्यम से इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी हासिल की। उन्होंने उपायुक्त को निर्देश दिए कि मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान की जाए तथा घायलों को बेहतर उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर घायलों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत की आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकग्रस्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

विधान सभा अध्यक्ष ने क्वानू में हुए सड़क हादसे पर गहरा शोक प्रकट किया

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने आज जिला सिरमौर के हरिपुर कोटी मीनस हाईवे पर हिमाचल व उतराखण्ड की सीमा पर स्थित क्वानू नामक स्थान पर हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर गहरा शोक प्रकट किया है। इस बस दुर्घटना में 4 लोगों की मौके पर ही मृत्यू हो गई थी जबकि 30 अन्य लोग घायल हुए हैं। यह बस चौपाल, नेरवा से पांवटा सहिब के लिए जा रही थी।

अपने शोक सन्देश में पठानियां ने कहा कि यह एक भयानक तथा भीषण दुर्घटना थी जिसके कारण 4 लोगों की अकाल मृत्यू हो गई जिसकी भरपाई करना नामुमकिन है। विधान सभा अध्यक्ष ने इस भीषण हादसे में मारे गए लोगों के परिवारजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है तथा दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना की है। पठानियां ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। पठानियां ने कहा कि हमें लापरवाही तथा कोताही को रोकना होगा ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाएं दोबारा न हो।

उप-मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ने बस हादसे में तीन लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। उप-मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री तथा शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने आज सुबह उत्तराखंड के कवाणु में हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण तीन लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। उप-मुख्यमंत्री ने शोकग्रस्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को मृतकों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। अपने शोक संदेश में शिक्षा मंत्री ने इस दुर्घटना में अपने परिजनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

नगर निगम सोलन के सभी वार्डों की निर्वाचक नामावली अंतिम रूप से प्रकाशित

सोलन। नगर निगम सोलन की वार्ड संख्या 01 से 17 तक की निर्वाचक नामावली तैयार कर दी गई है। यह जानकारी आज यहां निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी नगर निगम सोलन डॉ. पूनम बंसल ने दी। उन्होंने कहा कि यह निर्वाचक नामावली हिमाचल प्रदेश नगर निगम निर्वाचन नियम, 2012 के अनुसार तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि निर्वाचक नामावली की एक प्रति अंतिम रूप से प्रकाशित कर दी गई है।

नगर पंचायत अर्की के सभी वार्डों की निर्वाचक नामावली अंतिम रूप से प्रकाशित

सोलन। नगर पंचायत अर्की के वार्ड संख्या 01 से 07 तक की निर्वाचक नामावली तैयार कर दी गई है। यह जानकारी आज यहां निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी अर्की निशांत तोमर ने दी। उन्होंने कहा कि यह निर्वाचक नामावली हिमाचल प्रदेश नगर पालिका निर्वाचन नियम, 2015 के अनुसार तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि निर्वाचक नामावली की एक प्रति अंतिम रूप से प्रकाशित कर दी गई है।

नगर पंचायत कण्डाघाट के सभी वार्डों की निर्वाचक नामावली अंतिम रूप से प्रकाशित

सोलन। नगर पंचायत कण्डाघाट के वार्ड संख्या 01 से 07 तक की निर्वाचक नामावली तैयार कर दी गई है। यह जानकारी आज यहां निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी नगर पंचायत कण्डाघाट गोपाल चंद शर्मा ने दी। उन्होंने कहा कि यह निर्वाचक नामावली हिमाचल प्रदेश नगर पालिका निर्वाचन नियम, 2015 के अनुसार तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि निर्वाचक नामावली की एक प्रति अंतिम रूप से प्रकाशित कर दी गई है।

बागवानी हिमाचल की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार : संजय अवस्थी

गांव दाती ब्राहमणा में शिवा परियोजना के तहत पौधरोपण अभियान का किया शुभारम्भ

सोलन। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि बागवानी हिमाचल की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है और प्रदेश सरकार इस क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर इसके माध्यम से आर्थिकी को अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत दावटी के गांव दाती ब्राह्मणा में एच.पी.शिवा परियोजना के तहत आलुबुखारा पौधारोपण अभियान का शुभारम्भ करने के उपरांत जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे।

विधायक ने कहा कि हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी क्षेत्र है और राज्य की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने में बागवानी का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 2.37 लाख हेक्टेयर भूमि पर बागवानी की जा रही है। राज्य में फलों का वार्षिक उत्पादन लगभग 6.48 लाख मीट्रिक टन है। उन्होंने कहा कि बागवानी क्षेत्र का राज्य की वार्षिक आय में लगभग 05 हजार करोड़ रुपए का योगदान है। प्रदेश सरकार सेब के साथ-साथ अन्य फलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गम्भीर प्रयास कर रही है। संजय अवस्थी ने कहा कि कुनिहार विकास खण्ड में शिवा परियोजना के तहत प्रथम चरण में 07 कलस्टर बनाए गए हैं। इनमें दाती, चुनाड, सेर देलग, गियाना, पजीना, जैलंग व दसेरन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन 07 कलस्टरों में प्लम की सांता रोजा, ब्लैक एम्बर, रेड ब्यूट प्रजाति के 5991 पौधे रोपित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दाती कलस्टर में 10 हैक्टेयर भूमि पर ब्लैक एम्बर व रेड ब्यूट प्रजाति के लगभग 06 हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शिवा परियोजना के तहत नालागढ़ विकास खण्ड में बेलीखोल, बतीयाख, डोली, सौर और पल्ली में 05 कलस्टर विकसित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि परियोजना के तहत सिंचाई व्यवस्था की जा रही है, सोलर फेसिंग का प्रावधान है तथा अन्य सुविधाएं भी सृजित की जा रही हैं। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश को कृषि और बागवानी के क्षेत्र में आर्थिकी रूप से और मज़बूत बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है और आरम्भिक चरण में प्राकृतिक खेती से तैयार गेहूं, मक्की और हल्दी का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। इससे जहां प्राकृतिक खेती प्रोत्साहित हो रही है वहीं किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही पशुपालकों की आय में बढ़ौतरी के लिए गाय व भैंस के दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य को भी बढ़ाया गया है। विधायक ने कहा कि शिक्षित बेरोज़गार युवाओं को कृषि क्षेत्र से जोड़ा जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कृषि बेहतर स्वरोज़गार का माध्यम है और प्राकृतिक कृषि तथा शिवा परियोजना जैसी योजनाएं युवाओं को आर्थिकी रूप से सशक्त बना सकती हैं। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि नई योजनाओं, आधुनिक तकनीक व प्रबंधन तथा प्रशिक्षण को व्यवहारिक रूप से युवाओं तक पहुंचाएं।

संजय अवस्थी ने कहा कि ब्रायली से बुडमोस्टोटी से दाती शिवनगर सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य के लिए 09 लाख रुपए की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार हो चुकी है। शीघ्र ही इसका निर्माण कार्य आरम्भ हो जाएगा।

विधायक ने दाती गांव की कुल देवी मंदिर के समीप सुरक्षा दीवार के लिए 02 लाख रुपए तथा दाती में सामुदायिक भवन की मुरम्मत व रखरखाव के लिए 1.50 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने इस अवसर पर प्लम का पौधा रोपकर अभियान का शुभारम्भ किया। संजय अवस्थी ने तदोपरांत 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत जन समस्याएं सुनी और सम्बन्धित अधिकारियों को इनके शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत दावटी की पूर्व प्रधान इन्द्रा शर्मा, ग्राम पंचायत दावटी के पूर्व उप प्रधान हीरा सिंह कौंडल, उपमण्डलाधिकारी अर्की निशांत तोमर, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुक्ता रस्तोगी, शिवा परियोजना के निदेशक डॉ. रमल अंगारिया, बागवानी विभाग की उप निदेशक शिवाली ठाकुर, ज़िला समन्वयक देवेन्द्र अत्री सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कृषक, बागवान व स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और अधोसंरचना निर्माण के दिए निर्देश

डीएचएस में 300 चिकित्सकों का प्रशिक्षण व अवकाश रिजर्व कोटा बनाया जाएगा: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि अप्रैल से राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में 3,000 करोड़ रुपये व्यय कर विश्वस्तरीय, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीद प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सरकार नैदानिक सेवाओं को मजबूत कर रही है तथा पैरामेडिकल स्टाफ और चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए ठोस कार्य किए गए हैं, ताकि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित की जा सके। स्वास्थ्य संस्थानों में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है और आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त पद भी सृजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि आईजीएमसी शिमला में भी जल्द ही पैट स्कैन और रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू की जाएगी। राज्य के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल चमियाना और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय टांडा में मरीजों को रोबोटिक सर्जरी सेवाएं मिल रही हैं। राज्य सरकार 'आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों' को भी मजबूत कर रही है ताकि मरीजों को उनके घर-द्वार के निकट बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में सुविधाओं के उन्नयन पर विशेष बल दे रही है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में 300 डॉक्टरों का प्रशिक्षण और अवकाश रिजर्व कोटा बनाने के निर्देश दिए, ताकि पीजी कोर्स के लिए जाने वाले डॉक्टरों के कारण उत्पन्न रिक्तियों से स्वास्थ्य सेवाएं बाधित न हों और इन रिक्तियों को तुरंत भरा जा सके। उन्होंने कहा कि मेडिकल छात्रों के लिए छोटे बैच बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी कक्षा में 60 से अधिक छात्र नहीं होने चाहिए। मेडिकल कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार नए लेक्चर थिएटरों के निर्माण में सहायता करेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए प्रमुखता से कार्य कर रही है। सरकार प्रदेश के ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य कर रही है, ताकि मरीजों को बेहतर चिकित्सा के लिए प्रदेश से बाहर न जाना पड़े। सरकार एक विस्तृत कार्य योजना अपनाकर काम कर रही है, ताकि प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थान को बेहतर सुविधाओं, पर्याप्त स्टाफ और उन्नत नैदानिक सेवाओं से सुसज्जित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से मरीजों को बेहतर उपचार सुविधा मिलने के साथ-साथ चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को बेहतर कार्य परिस्थितियां उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को सभी पहलों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि लोग विस्तृत स्तर पर लाभान्वित हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार निरंतर चिकित्सा शिक्षा में सुधार और कॉलेजों में पर्याप्त अधोसंरचना सुनिश्चित कर रही है जिससे प्रदेश में कुशल डॉक्टर तैयार होंगे। सरकार के यह कदम स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में निर्णायक साबित हो रहे हैं। बैठक में सचिव स्वास्थ्य एम. सुधा देवी, विशेष सचिव अश्विनी कुमार, निदेशक आयुष निपुण जिंदल, निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. राकेश शर्मा, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. गोपाल बेरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

महिला विकास निगम की 52वीं निदेशक मंडल बैठक आयोजित

शिमला। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल की अध्यक्षता में महिला विकास निगम की 52वीं निदेशक मंडल बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम द्वारा संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़े महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए।बैठक में महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।महिला स्वरोज़गार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्वरोज़गार ऋण की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर तीन लाख रुपये करने का महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया गया, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इस योजना से लाभान्वित होकर आत्मनिर्भर बन सकें। इसके अतिरिक्त महिला कल्याण, कौशल विकास, रोज़गार सृजन, प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों सहित अन्य विभागीय गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। निदेशक मंडल ने यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र महिलाओं तक पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचे। महिला विकास निगम महिलाओं के सर्वांगीण विकास, सशक्तिरण एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर कार्यरत है तथा भविष्य में और अधिक प्रभावी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रयास जारी रखेगा। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता श्याम भगत नेगी, प्रबन्ध निदेशक महिला विकास निगम अजय कुमार यादव के अतिरिक्त निदेशक मंडल के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

जेएनयू छात्र संघ के सभी मेन पदाधिकारी 2 सेमेस्टर के लिए सस्पेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) ने अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए पांच पीएचडी छात्रों को 2 सेमेस्टर के लिए निष्कासित कर दिया है। इन छात्रों में जेएनयू छात्र संघ के सभी 4 मुख्य पदाधिकारी भी शामिल हैं। प्रशासन के अनुसार, इन छात्रों ने नवंबर 2025 में विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी में लगे फेशियल रिकग्निशन एक्सेस गेट्स में तोड़फोड़ की थी। दोषी पाए जाने के बाद इन सभी छात्रों को तुरंत प्रभाव से कैंपस से बाहर कर दिया गया है और उन पर 20,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

मुख्य प्रॉक्टर कार्यालय की ओर से सोमवार को जारी आदेश में कहा गया है कि 21 नवंबर 2025 को विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी में लगे करीब 20 लाख रुपये की लागत वाले एफआरटी सिस्टम को इन आरोपी छात्रों ने अन्य छात्रों के साथ मिलकर नुकसान पहुंचाया था। जांच से पता चला है कि यह घटना पूरी तरह से योजना बनाकर की गई थी। इसमें मशीनों के तार काटने, कैमरों को उखाड़ने और पैनलों को बाहर निकालने जैसी हरकतें शामिल थीं। जब सुरक्षाकर्मियों ने आरोपियों को रोकने की कोशिश की तो उनके साथ धक्का-मुक्की और नारेबाजी की गई। जारी पत्र के अनुसार, किझाकूट गोपिका बाबू, अदिति मिश्रा, सुनील यादव, दानिश अली और नीतीश कुमार को तुरंत प्रभाव से पूरे कैंपस से निष्कासित कर दिया गया है। इन पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। निलंबन पत्र में बताया गया है कि जांच के दौरान यह पाया गया कि जेएनयूएसयू अध्यक्ष अदिति मिश्रा और उपाध्यक्ष गोपिका बाबू ने तोड़फोड़ का नेतृत्व किया था जबकि संयुक्त सचिव दानिश अली और नीतीश कुमार ने लाइब्रेरी से पैनल हटा दिए थे। इन छात्रों को विश्वविद्यालय के नियमों के तहत हिंसा, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पढ़ाई में बाधा डालने का दोषी पाया गया है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि जो भी हॉस्टल में इन निष्कासित छात्रों को पनाह देगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पत्र के अनुसार, यह निष्कासन 2026 के विंटर और मॉनसून सेमेस्टर तक लागू रहेगा। छात्रों को दस दिनों के भीतर जुर्माना भरकर उसकी रसीद चीफ प्रॉक्टर के ऑफिस में जमा करने का आदेश दिया गया है।

छात्र संघ ने बताया अलोकतांत्रिक - छात्र संघ पदाधिकारियों ने इस आदेश को अलोकतांत्रिक बताया है। छात्र संघ ने बयान जारी कर कहा है कि जेएनयू प्रशासन केंद्र सरकार की कठपुतली बन गया है। ठीक उसी समय जब छात्र संघ यूजीसी प्रमोशन ऑफ इक्विटी रेगुलेशन 2026 को रोकने के लिए एक बड़ा आंदोलन तैयार कर रहा था जिसमें मंगलवार को मशाल जुलूस और 7 फरवरी को स्टूडेंट पार्लियामेंट होनी थी यह कार्रवाई की। इस कदम को छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश के तौर पर देखा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने एचपीएसईडीसी के निदेशक मंडल की बैठक की अध्यक्षता की

आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय को समय पर जारी करने के दिए निर्देश

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां हिमाचल प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एचपीएसईडीसी) के निदेशक मंडल की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में निगम के कार्यों, वित्तीय स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने निगम के आउटसोर्स कर्मचारियों का मानदेय प्रत्येक माह की 7 तारीख तक जारी करने के निर्देश दिए, ताकि कर्मचारियों को अपने दैनिक खर्चों के निर्वहन में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समय पर भुगतान व्यवस्था सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।मुख्यमंत्री ने निगम की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में निगम ने 275 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज किया, जिसमें 15 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित हुआ। इसी प्रकार वित्त वर्ष 2024-25 में निगम का टर्नओवर 300 करोड़ रुपये रहा और 18 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि वर्तमान वित्त वर्ष में 31 दिसंबर, 2025 तक निगम ने 199.25 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया है।

बैठक में मुख्यमंत्री ने निविदाओं पर लागू तकनीकी शुल्क में संशोधन के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि 5 करोड़ रुपये तक के टेंडरों पर 5 प्रतिशत, 5 करोड़ रुपये से अधिक और 10 करोड़ रुपये तक के टेंडरों पर 3 प्रतिशत तथा 10 करोड़ रुपये से अधिक के टेंडरों पर 2 प्रतिशत तकनीकी शुल्क निर्धारित किया जाए, ताकि प्रक्रिया अधिक व्यवहारिक और संतुलित हो सके। निदेशक मंडल की बैठक में निगम के नाम में परिवर्तन को भी स्वीकृति प्रदान की गई। अब हिमाचल प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम को 'हिमाचल प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स मैनपावर एवं ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट कॉरपोरेशन' के नाम से जाना जाएगा, क्योंकि निगम राज्य के युवाओं को विदेशों में रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। निदेशक मंडल के सदस्य, मुख्य सचिव संजय गुप्ता, प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार, सचिव डीडीटीजी आशिष सिंहमर, आयुक्त उद्योग यूनुस, निदेशक डीडीटीजी डॉ. निपुण जिंदल, एचपीएसईडीसी के प्रबंध निदेशक हरबंस ब्रासकोन तथा एचपीएसईडीसी के महाप्रबंधक अनिल सैमवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार को दिखाना होगा कौशल, योजनाओं की धीमी गति है चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। यह तथ्य कई रिपोर्ट से सामने आ चुका है कि भारत में औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण लेने वालों का आंकड़ा बेहद निराशाजनक है। इस वास्तविकता से सरकार भी वाकिफ है कि जब तक युवाओं को प्रशिक्षित नहीं किया जाएगा, तब तक वह मौजूदा तकनीकी युग में रोजगार-स्वरोजगार के काबिल नहीं बन सकेंगे। इस बार बजट में इस सोच और प्रयास पर कई प्रमुख योजनाओं के रूप में सरकार की गंभीरता अधिक दिखी है, लेकिन पिछली घोषणाओं और उन पर अमल को परखा जाए तो कौशल विकास फिर चुनौती के रूप में खड़ा दिखाई देता है। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय ही पिछले बजट की अपनी प्रमुख योजनाओं को जमीन पर नहीं उतार सका है।

दिल्ली-यूपी समेत 9 राज्यों मे बारिश से फिर बढ़ेगी ठंड

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमालयी क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के बाद से उत्तर भारत ने फिर से वापसी कर ली है। पहाड़ों पर चलने वाली सर्द हवाओं का असर मैदानी इलाकों में भी बढ़ गई है। दिल्ली समेत कई राज्यों में ठिठुरन, गलन और शीतलहर का कहर देखने को मिल रहा है। वहीं, मौसम विभाग ने आज भी भारी बर्फबारी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के असर से 03 फरवरी को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य भारत के आस-पास के मैदानी इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। पहाड़ों पर बढ़ती ठंड का असर दिल्ली में भी देखने को मिलेगा। दिल्ली के कई इलाकों में सुबह की शुरुआत कोहरे के साथ हुई है। मौसम विभाग ने दिल्ली एनसीआर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की भी संभावना जताई है। ' जिलों में हल्की बारिश की चेतावनी दी है। प्रयागराज, वाराणसी, चित्रकूट, झांसी, आजमगढ़ और बलिया समेत आसपास के इलाकों में शीतलहर कहर बरसाएगी। वहीं, लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, मथुरा और आगरा में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

नगर परिषद परवाणू के सभी वार्डों की निर्वाचक नामावली अंतिम रूप से प्रकाशित

सोलन। नगर परिषद परवाणू के वार्ड संख्या 01 से 09 तक की निर्वाचक नामावली तैयार कर दी गई है। यह जानकारी आज यहां निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी नगर परिषद परवाणू महेन्द्र प्रताप सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि यह निर्वाचक नामावली हिमाचल प्रदेश नगर पालिका निर्वाचन नियम, 2015 के अनुसार तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि निर्वाचक नामावली की एक प्रति अंतिम रूप से प्रकाशित कर दी गई है।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशिन एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। * सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg 1610@gmail.com

न्यूज डायरी

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया सीमावर्ती जिलों में 4 दिवसीय 'नशा विरोधी पदयात्रा' का करेंगे नेतृत्व

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज पंजाब लोक भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान राज्य में नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता को सुदृढ़ करने हेतु एक व्यापक अभियान की जानकारी साझा की। इस अभियान के अंतर्गत सीमावर्ती जिलों तरनतारन, फिरोजपुर और फाजिल्का में चार दिवसीय जागरूकता पदयात्रा आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य नशे के खिलाफ जन-भागीदारी को सशक्त बनाना है।

राज्यपाल ने बताया कि पंजाब रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से आयोजित इस पदयात्रा का उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति समाज को जागरूक करना है। उन्होंने पुनर्वास और रोजगार सृजन को नशे के विरुद्ध संघर्ष के प्रमुख स्तंभ बताते हुए कहा कि कड़े कानून-प्रवर्तन और सतत जन-जागरूकता के साथ-साथ प्रभावित व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक समाज की मुख्यधारा में पुनर्स्थापित करना आवश्यक है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इसे जन-आंदोलन बनाने की अपील की।

पदयात्रा का विस्तृत कार्यक्रम इस प्रकार है:

9 फरवरी, 2026 (सुबह 11:30 बजे) - तरनतारन
श्री गुरु अर्जन देव स्कूल से पुलिस लाइन्स तक वाया पुलिस गाड्र्स

10 फरवरी, 2026 (सुबह 11:30 बजे) - फिरोजपुर
सारागढ़ी मेमोरियल से गवर्नमेंट स्कूल ऑफ एमिनेंस, फिरोजपुर सिटी तक

11 फरवरी, 2026 (दोपहर 12:00 बजे) - फाज़िल्का
संजीव सिनेमा, फाजिल्का से क्लॉक टॉवर, फाजिल्का तक

12 फरवरी, 2026 (सुबह 11:30 बजे) - अबोहर (फाज़िल्का)
नगर निगम कार्यालय, अबोहर से डी.ए.वी. कॉलेज, अबोहर तक

मीडिया से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि नशा केवल स्थानीय या राज्य स्तर की समस्या नहीं, बल्कि एक वैश्विक चुनौती है, जिसका सामना सामूहिक और निरंतर प्रयासों से ही किया जा सकता है।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा पी.आर.ओ. एन.डी. शर्मा को भावभीनी विदाई

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब ने आज सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारी (आई.पी.आर.ओ.) श्री एन.डी. शर्मा को भावभीनी विदाई दी, जो लगभग तीन दशकों के शानदार कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। विभाग के साथ श्री शर्मा का सफर 1998 में शुरू हुआ था, जब उन्हें हिंदी अनुवादक के रूप में नियुक्त किया गया था। वर्षों की समर्पण, भाषाई निपुणता और कार्य के प्रति जुनून के कारण वे लगातार महत्वपूर्ण भूमिकाओं की ओर आगे बढ़ते गए और उनकी यह समर्पण यात्रा आज लोक संपर्क अधिकारी एवं हिंदी डेस्क प्रभारी तक पहुँच गई।

श्री एन.डी. शर्मा ने हिंदी जागृति मैगज़ीन के लिए भी संपादक के रूप में कार्य किया, जो उनकी प्रतिभा और कठिन परिश्रम का प्रमाण था। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने उच्च-स्तरीय सरकारी समारोहों और पंजाब की सांस्कृतिक विरासत को दस्तावेजी रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विभाग में शर्मा जी के शानदार योगदान को सम्मानित करने के लिए एक संक्षिप्त सेवानिवृत्ति समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें अतिरिक्त निदेशक रणदीप सिंह आहलूवालिया, संयुक्त निदेशक इश्विंदर सिंह ग्रेवाल, प्रीत कंवल सिंह, मनविंदर सिंह तथा उप निदेशक नवदीप सिंह गिल और नरिंदरपाल सिंह जगदियो ने भाग लिया। लोक संपर्क विभाग की टीम ने शर्मा जी को उनकी सेवानिवृत्ति पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

बीबी भानी कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन की टीम ने दूसरी एशियन सिख गेम्स ताइक्वांडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। दूसरी एशियन सिख गेम्स ताइक्वांडो चैंपियनशिप 30 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक तालकटोरा इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

इस चैंपियनशिप में टीम कोच मोहन लाल के मार्गदर्शन में बीबी भानी कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन की टीम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, और अपनी उपलब्धियों से कॉलेज का नाम रोशन किया।

प्रिंसिपल किरणदीप कौर ने सभी खिलाड़ियों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन पर बधाई दी और उन्हें आगे की सफलता और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

पदक विजेता:
* हरविंदर सिंह – स्वर्ण पदक
* नामप्रीत सिंह – स्वर्ण पदक
* सुखविंदर सिंह – रजत पदक
* कमल शर्मा – रजत पदक
* जरमनजीत सिंह – कांस्य पदक

इस आयोजन ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ताइक्वांडो एथलीटों की बढ़ती उत्कृष्टता और उनके समर्पण, अनुशासन और खेल भावना को उजागर किया।

गुरमीत खुड्डियां द्वारा उद्योगों को अथाह संभावनाओं वाले पंजाब के ग्रीन एनर्जी सेक्टर में निवेश के लिए निमंत्रण

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा वैज्ञानिक ढंग से फसल अवशेष प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि पर्यावरण संबंधी समस्याओं का समाधान हो, मिट्टी की सेहत में सुधार हो और किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

वे आज यहां ए.एस.ए.आर. द्वारा कैनोपी के सहयोग से आयोजित राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

स. खुड्डियां ने कहा कि लंबे समय से चली आ रही पराली जलाने की समस्या को पंजाब ने लाभकारी आर्थिक और पर्यावरण-अनुकूल अवसरों में बदलने में सफल रहा है। उन्होंने बताया कि पंजाब द्वारा फसल अवशेषों के सुचारू प्रबंधन के प्रयासों से प्रभावी और सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं, क्योंकि वर्ष 2025 के खरीफ सीजन में पराली जलाने की घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में ऐसी घटनाओं की संख्या 10,909 थी, जो अब घटकर 5,114 रह गई है।

कृषि मंत्री ने सब्सिडी वाली फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी, प्रोत्साहन और पराली के उपयोग के लिए व्यावहारिक विकल्पों की उपलब्धता को इस सफलता का कारण बताया। उन्होंने विस्तार से बताया कि राज्य द्वारा मिट्टी की सेहत सुधारने के लिए आधुनिक इन-सीटू और एक्स-सीटू तरीकों का उपयोग करके हर साल उत्पन्न होने वाली 20 मिलियन टन पराली में से 80 प्रतिशत से अधिक पराली का वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन किया जा रहा है।

- **कृषि मंत्री ने राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस के दौरान राज्य में वर्ष 2025 के दौरान पराली जलाने की घटनाओं में 53 प्रतिशत गिरावट को उभारा**

स. खुड्डियां ने कहा, ''फसल अवशेषों को बायोमास-आधारित पावर प्लांटों, बायो-सी.एन.जी. यूनिटों और बायो-ईथेनॉल प्रोजेक्टों जैसे एक्स-सीटू एप्लिकेशनों में भी उपयोग किया जा रहा है, जिससे ऊर्जा और रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। पराली, जो पहले धुएं का कारण थी, आज ऊर्जा, उद्योग और रोजगार का साधन बन रही है।''

कृषि मंत्री ने एक ऐसे भविष्य की आशा व्यक्त की, जहां किसान फसल अवशेष प्रबंधन से पूरा लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा, ''जब फसल अवशेषों को ईंधन, ऊर्जा या किसी भी पैकेजिंग में बदला जा रहा है, तो इससे ग्रामीण रोजगार पैदा होता है और हमारे युवाओं को उनके घरों के नजदीक रोजगार के अवसर मिलते हैं। यही समावेशी और टिकाऊ विकास हमारा लक्ष्य है।''

स. खुड्डियां ने उद्योगों को निमंत्रण देते हुए कहा कि हरियाली और टिकाऊ व्यावसायिक संभावनाओं वाला पंजाब, जो भारत का एकमात्र सर्कुलर इकोनॉमी रीजन बनने के लिए तैयार है, उससे उद्योगों को लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने राज्य द्वारा पराली को आय में बदलने की क्षमता और सामर्थ्य का हवाला देते हुए कहा, ''धुएं की बजाय पराली को आय में बदलकर, राज्य प्रदूषण को समृद्धि में बदल रहा है। पंजाब साबित कर रहा है कि जलवायु गतिविधियाँ और आर्थिक विकास साथ-साथ चल सकते हैं।''

हरजोत सिंह बैंस द्वारा श्री दसमेश अकादमी के खिलाफ गंभीर शिकायतों की जांच और विशेष ऑडिट के आदेश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। शिक्षा संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही को बनाए रखने के लिए निर्णायक कदम उठाते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री एवं श्री आनंदपुर साहिब से विधायक श्री हरजोत सिंह बैंस ने आज पंजाब के मुख्य सचिव को 180 एकड़ सरकारी जमीन पर संचालित श्री दसमेश अकादमी, श्री आनंदपुर साहिब संबंधी आईं गंभीर शिकायतों की जांच और विशेष ऑडिट करवाने के आदेश दिए हैं।

श्री हरजोत सिंह बैंस ने पंजाब के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर दसमेश अकादमी में वित्तीय अनियमितताओं, प्रबंधन में गड़बड़ियों और बुनियादी ढांचे से संबंधित कमियों के आरोपों की गहन जांच के लिए कहा है।

शिक्षा मंत्री ने ये निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी (डी.ई.ओ.), रूपनगर द्वारा की गई प्रारंभिक जांच के बाद सामने आईं महत्वपूर्ण कमियों के बाद जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान ट्रस्ट के फंडों में कथित गबन, संस्था की संपत्ति के दुरुपयोग और बुनियादी ढांचे से संबंधित कमियों का कारण बनने वाली आपराधिक लापरवाही की जांच की जाएगी।

श्री हरजोत सिंह बैंस ने पंजाब पुलिस को अकादमी के प्रिंसिपल की कथित जाली पीएच.डी. डिग्री की जांच करने और रिकॉर्ड में छेड़छाड़ को रोकने के लिए सभी संबंधित रिकॉर्ड कब्जे में लेकर सुरक्षित करने के निर्देश भी दिए हैं।

शिक्षा मंत्री ने जांच को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आदेश देते हुए 30 दिनों के अंदर विस्तृत रिपोर्ट देने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि जांच के नतीजे पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान, जो ट्रस्ट के एक्स-ऑफिशो चेयरमैन हैं, के समक्ष उचित कार्रवाई के लिए पेश किए जाएंगे।

श्री हरजोत बैंस ने स्पष्ट रूप से कहा, 'हमारे शैक्षणिक संस्थानों की पवित्रता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हम इस मामले की तह तक जाएंगे और जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पंजाब सरकार बाल विवाह मुक्त राज्य बनाने की दिशा में दृढ़: 111 मामले रोके गए - डॉ. बलजीत कौर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार राज्य से बाल विवाह जैसी गंभीर सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही है। यह बात सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कही।

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि जनवरी 2024 से अब तक पंजाब में बाल विवाह के 111 मामले समय रहते रोके गए हैं, जो मान सरकार की बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके सुनहरे भविष्य के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

उन्होंने जिला-वार विवरण साझा करते हुए बताया कि अमृतसर में 5, बरनाला 1, बठिंडा 9, फतेहगढ़ साहिब 4, फिरोजपुर 4, फाजिल्का 18, फरीदकोट 3, गुरदासपुर 8, होशियारपुर 1, जालंधर 2, लुधियाना 3, कपूरथला 5, मानसा 8, मोगा 12, मुक्तसर साहिब 5, पटियाला 4, पठानकोट 2, रोपड़ 1, संगरूर 1, मोहाली 4, शहीद भगत सिंह नगर 5 और तरनतारन में 6 बाल विवाह के मामले रोके गए हैं।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बच्चों का भविष्य सुरक्षित करना मान सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ सरकार पूरी सख्ती के साथ-साथ संवेदनशीलता के साथ भी कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने आगे बताया कि बाल विवाह रोकने की प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा पूरे राज्य में 2076 बाल विवाह निवारण अधिकारी (सीएमपीओज़) नियुक्त किए गए हैं, जिनमें सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग के सीडीपीओज़ और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के प्रिंसिपल शामिल हैं।

विधायक कुलवंत सिंह द्वारा जिला अस्पताल मोहाली का दौरा, मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत इलाज की समीक्षा

हिन्द जनपथ
साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (ब्यूरो)। मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह ने आज जिला अस्पताल मोहाली का दौरा कर मुख्यमंत्री सेहत योजना (एम.एम.एस.वाई.) के अंतर्गत मरीजों को दिए जा रहे इलाज की समीक्षा की तथा योजना के तहत निःशुल्क उपचार प्राप्त कर रहे मरीजों से बातचीत की।

दौरे के दौरान विधायक ने एम.एम.एस.वाई. के अंतर्गत इलाज कराने वाली पंजाब की पहली मरीज, सनी एन्क्लेव की निवासी निर्मल कौर (53) से मुलाकात की, जिनकी 27 जनवरी को सफलतापूर्वक अपेंडिक्स की सर्जरी की गई थी। उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और आज वे फॉलो-अप जांच के लिए अस्पताल पहुंची थीं।

- **एम.एम.एस.वाई. के अंतर्गत सफल सर्जरी कराने वाली पंजाब की पहली मरीज से की मुलाकात**
- **जिला अस्पताल मोहाली में 78 अन्य मरीज एम.एम.एस.वाई. के तहत ले रहे हैं इलाज**

एम.एम.एस.वाई. के तहत भर्ती मरीजों से बातचीत करते हुए विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि मरीज इस योजना से बेहद संतुष्ट हैं, क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार की आय की कोई शर्त नहीं है। मरीजों ने बताया कि वे आधार कार्ड और वोटर कार्ड के साथ ओपीडी काउंटर पर पहुंचे और उनकी तत्काल प्राथमिकता के आधार पर पंजीकरण कर दिया गया, जिससे उन्हें तुरंत इलाज उपलब्ध हो सका।

बलौंगी की निवासी संतोष और काइनौर (मोरिंडा) की अमनदीप कौर, जो वर्तमान में अस्पताल में भर्ती हैं, ने भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि 10 लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने वाली यह योजना आम लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है।

डॉ. नवदीप सैनी, कार्यकारी निदेशक प्रिंसिपल, डॉ. बी.आर. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, मोहाली ने बताया कि जिन मरीजों को सर्जरी या इनडोर इलाज की आवश्यकता है, उन सभी को मुख्यमंत्री सेहत योजना का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस समय 78 मरीज मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल मोहाली में एम.एम.एस.वाई. के अंतर्गत इलाज करवा रहे हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए विधायक कुलवंत सिंह ने बताया कि मोहाली जिले में अब तक करीब 3,500 पंजीकरण एम.एम.एस.वाई. के तहत किए जा चुके हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि पंजाब के आधार कार्ड और वोटर कार्ड रखने वाले सभी पात्र निवासियों को योजना के अंतर्गत पंजीकृत किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपातकालीन मामलों में पूर्व पंजीकरण की कोई आवश्यकता नहीं है, संबंधित अस्पताल द्वारा मौके पर ही पंजीकरण किया जाएगा। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री सेहत योजना, जिसे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक श्री अरविंद केजरीवाल की उपस्थिति में शुरू किया गया, पंजाब वासियों के लिए वरदान सिद्ध होगी, क्योंकि इसके तहत सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में 10 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है।

एसटीएफ हरियाणा की प्रभावी निवारक रणनीति की वजह से 121 युवाओं को संगठित अपराध की गिरफ्त से बचाया गया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संगठित अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क के विस्तार पर निर्णायक प्रहार करते हुए एक व्यापक निवारक एवं सुधारात्मक अभियान के अंतर्गत राज्यभर में 121 ऐसे युवाओं की पहचान करके उन्हें सही दिशा में लाने में कामयाबी हासिल की जो विभिन्न माध्यमों से हरियाणा की प्रमुख आपराधिक गैंगों के संपर्क में पाए गए। यह पहल कानून प्रवर्तन के साथ-साथ समाज को सुरक्षित रखने की दिशा में हरियाणा पुलिस की दूरदर्शी नीति को दर्शाती है।

'दंड नहीं, सही दिशा: एसटीएफ, साइबर पुलिस व जिला इकाइयों की संयुक्त पहल से 121 युवा अपराध की राह से लौटे'

'हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री अजय सिंघल' ने कहा कि आज की सबसे बड़ी चुनौती युवाओं को उस मोड़ पर सही दिशा देना है, जहाँ से वे या तो राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बन सकते हैं या फिर अपराध के दलदल में फंस सकते हैं। उन्होंने कहा कि एसटीएफ हरियाणा द्वारा 121 युवाओं की समय रहते पहचान कर उन्हें परामर्श के माध्यम से संगठित अपराध से दूर रखना केवल एक पुलिस कार्रवाई नहीं, बल्कि समाज को सुरक्षित रखने की दूरदर्शी पहल है। इसके साथ-साथ हरियाणा पुलिस की साइबर पुलिस एवं जिला स्तर की पुलिस इकाइयाँ भी इसी प्रकार की निवारक एवं सुधारात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। श्री सिंघल ने स्पष्ट किया कि हरियाणा पुलिस का लक्ष्य अपराधियों को दंडित करने के साथ-साथ उन युवाओं को बचाना है, जो भटकाव की कगार पर हैं। उन्होंने कहा कि गैंगस्टर संस्कृति, हिंसा और अपराध के महिमामंडन के खिलाफ यह लड़ाई केवल कानून की नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना की भी है, जिसमें पुलिस, परिवार और समाज की साझा भूमिका है। डीजीपी ने दोहराया कि हरियाणा पुलिस युवाओं के भविष्य, सामाजिक सौहार्द और कानून के शासन की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करती रहेगी।

'भ्रामक चमक-धमक और भावनात्मक शोषण द्वारा युवाओं को अपराध में फंसाने की रणनीति'

एसटीएफ की गहन तकनीकी एवं फील्ड-स्तरीय निगरानी में सामने आया कि ये युवक गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय थे और गैंग गतिविधियों के प्रति आकर्षण प्रदर्शित कर रहे थे। गैंगस्टर और उनके सहयोगी युवाओं को लोभ और लालच के माध्यम से अपने जाल में फंसाते थे। उन्हें सोशल मीडिया और निजी संपर्कों के जरिए अपराध की एक झूठी चमक-धमक भरी दुनिया दिखाई जाती थी, जहाँ जल्दी पैसा, डर के सहारे बनाई गई पहचान और रुतबे को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया जाता था।

जिला कारागार फरीदाबाद में नशीला पदार्थ पहुंचाने की बड़ी साजिश नाकाम

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। जिला कारागार फरीदाबाद में जेल प्रशासन की सतर्कता, मजबूत सुरक्षा व्यवस्था तथा त्वरित कार्रवाई के चलते नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़ी एक गंभीर साजिश को समय रहते विफल कर दिया गया।

प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर उप अधीक्षक (सुरक्षा) की निगरानी में गठित जेल स्टाफ की विशेष टीम द्वारा २ फरवरी को सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान बैरक नंबर-18 के समीप तीसरे कोर्ट की दीवार के पास टेप में लिपटी एक बॉल बरामद की गई, जो पीले, सफेद एवं गुलाबी रंग की थी तथा जिस पर "Raja Gold" अंकित था। जांच करने पर बॉल के भीतर सुंघने योग्य नशीला पदार्थ पाया गया।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि उक्त नशीली वस्तु को विचाराधीन बंदी मोहित पुत्र दिनेश, निवासी ऊँचा गांव, बल्लभगढ़ के निर्देश पर जेल परिसर में फिंकवाया गया था। इस साजिश को अंजाम देने हेतु पवन पुत्र कुमेरपाल, निवासी ऊँचा गांव, बल्लभगढ़, जो हाल ही में जमानत पर जेल से रिहा हुआ था, द्वारा जेल के बाहर से बॉल फेंकी गई। इसके अतिरिक्त, जेल के भीतर से निगरानी कैदी गौरव पुत्र धर्मबीर, निवासी ग्राम पंचोली, जिला फरीदाबाद की संलिप्तता भी सामने आई है। बरामद नशीले पदार्थ का कुल वजन 17 ग्राम पाया गया है। इस प्रकरण में संलिप्त सभी व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हेतु थाना सदर बल्लभगढ़ को सूचना प्रेषित कर दी गई है।

सुरक्षित सड़कों के साथ-साथ लोगों को भी ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए जागरूक होने की आवश्यकता: हरभजन सिंह ई.टी.ओ.

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने कहा कि सुरक्षित सड़कों के साथ-साथ लोगों को भी ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार, प्रवर्तन एजेंसियों और नागरिकों सहित सभी हितधारकों को मिलकर काम करना चाहिए।

ये विचार उन्होंने आज यहां महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में आयोजित राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा पंजाब स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वर्कशॉप के उद्घाटन भाषण के दौरान व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा लोगों को बेहतर सड़क नेटवर्क प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके कारण यात्रा में लगने वाला समय काफी कम हो गया है, लेकिन इससे सड़क हादसों की संभावना भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि लोगों को भी सड़कों पर चलते समय सुरक्षा नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कई बार लोग दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट को सिर पर पहनने की बजाय हाथ या हैंडल पर लटका लेते हैं और जब हादसा हो जाता है तो इस गलती का उन्हें गंभीर नतीजा भुगतना पड़ता है। उन्होंने कहा कि नशा करके वाहन चलाने से जहां लोग अपनी जान को खतरे में डालते हैं, वहीं निर्दोष राहगीरों को भी खतरे में डाल देते हैं। उन्होंने एन.एच.ए.आई. और लीड एजेंसी को ब्लैक स्पॉटों को समाप्त करने के लिए अधिक तेजी से काम करने का निर्देश दिया।

- **लोक निर्माण मंत्री ने सड़क सुरक्षा वर्कशॉप के दौरान ब्लैक स्पॉटों को समाप्त करने में और तेजी लाने को कहा**

श्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा फोर्स की शुरुआत करके कीमती जानों को बचाने का एक बड़ा कदम उठाया गया है, जिसके कारण पंजाब राज्य में हादसों में मरने वालों की संख्या में कमी आई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कोई हादसा हो जाए तो हादसा पीड़ितों की मदद अवश्य करें, क्योंकि जितनी जल्दी हादसा पीड़ित को अस्पताल पहुंचाया जाएगा, उतनी ही उस व्यक्ति के बचने की संभावना बढ़ जाती है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग (बी एंड आर) आधुनिक सड़क सुरक्षा अभ्यासों को अपनाने के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर काम करेगा। उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध डिजाइन, नियमित रख-रखाव और सुरक्षित इंजीनियरिंग मानक हादसों को कम करने तथा सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

वर्कशॉप के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने एक सुरक्षित प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें सुरक्षित सड़क डिजाइन, प्रभावी प्रवर्तन और निरंतर जन जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा के परिणाम सुरक्षित इंजीनियरिंग, नियंत्रित गति, सुरक्षित वाहनों और हादसे के बाद फौरी प्रतिक्रिया के संयोजन पर निर्भर करते हैं। उन्होंने एनएचएआई की पहलों पर प्रकाश डाला जिनमें सड़क सुरक्षा ऑडिट, ब्लैक स्पॉटों का सुधार, सड़क ज्योमेट्री में सुधार, क्रैश बैरियर, स्पष्ट संकेतक, सड़क चिह्न और पैदल यात्रियों के अनुकूल बुनियादी ढांचा शामिल है।

पंजाब के राज्य परिवहन आयुक्त तथा सड़क सुरक्षा के लिए लीड एजेंसी के निदेशक जनरल, परनीत शेरगिल ने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के दौरान पंजाब भर में आयोजित गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने जागरूकता अभियान, प्रवर्तन अभियान, हेलमेट और सीट-बेल्ट के उपयोग को प्रोत्साहित करने तथा ड्राइवरों के प्रति संवेदनशीलता के बारे में बात की। उन्होंने हादसों में कमी लाने के लिए मजबूत अंतर-विभागीय समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्पेशल डीजीपी, ट्रैफिक, पंजाब ए.एस. राय ने राज्य भर में ट्रैफिक उल्लंघनों के खिलाफ की गई कार्रवाइयों और व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यवहार में स्थायी बदलाव लाने के लिए कानून प्रवर्तन और जन जागरूकता दोनों को सुनिश्चित करना चाहिए।

सड़क सुरक्षा के लिए लीड एजेंसी के संयुक्त निदेशक (प्रबंधन) परमजीत सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया और एनएचएआई की सक्रिय भूमिका की सराहना की। साथ ही उन्होंने पंजाब में सड़क सुरक्षा पहलों को मजबूत करने के लिए निरंतर सहयोग की आशा व्यक्त की।

संपादकीय

सेहत, स्वच्छता और सम्मान का समनव्य

कोई भी संवेदनशील और प्रगतिशील समाज अपने बीच जड़ें जमाए वैसी धारणाओं से लड़ता है, जिनका खमियाजा महिलाओं या कमजोर तबकों को उठाना पड़ता है। मगर यह विचित्र है कि हमारे देश में कुछ ऐसे प्रश्न आज भी सामाजिक विकास में एक बाधा बने हुए हैं, जिनका सीधा संबंध स्त्रियों की सेहत और गरिमा के साथ जुड़ा हुआ है।मासिक धर्म या माहवारी मूलत- महिलाओं या लड़कियों के स्वास्थ्य से जुड़ा सवाल है, लेकिन कई तरह की पितृसत्तात्मक सोच के कारण उसे संकोच का विषय बना दिया गया है। इसकी वजह से सामान्य जीवन में लड़कियों को बहुस्तरीय मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, इससे उनका स्वास्थ्य और व्यक्तित्व प्रभावित होता है।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इसी संदर्भ में एक अहम हस्तक्षेप किया है और मासिक धर्म से जुड़े स्वास्थ्य को संविधान के तहत जीवन और गरिमा के अधिकार का हिस्सा बताया। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी बेहद अहम है कि मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन उपायों की अनुपलब्धता एक लड़की की गरिमा को कम करती है, क्योंकि गरिमा उन परिस्थितियों में व्यक्त होती है, जो लोगों को अपमान, बहिष्कार या अनावश्यक पीड़ा के बिना बाहर निकलने में सक्षम बनाती है।यह छिपा नहीं है कि महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य से जुड़ी माहवारी को लेकर समाज में कैसी मिथकें मौजूद रही हैं। इसकी वजह से घर से लेकर बाहर या कार्यस्थलों पर महिलाओं को कई तरह की असुविधाजनक स्थितियों का सामना करना पड़ता है। सैनिटरी पैड की उपलब्धता हर जगह नहीं होने की वजह से समस्या और बढ़ जाती है। इसके अलावा, स्कूलों में शौचालयों की स्थिति भी जगजाहिर रही है।अनेक अध्ययनों में ऐसे तथ्य सामने आते रहे हैं कि स्कूलों में स्वच्छ शौचालय की सुविधा न होने की वजह से बहुत सारी लड़कियों को बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ती है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को लड़कियों को जैविक रूप से अपघटनीय सैनिटरी पैट निशुक्ल बांटने के साथ-साथ लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय बनाने का निर्देश दिया।व्यवस्था संबंधी समस्याओं को दूर किए जाने के साथ-साथ इस मसले पर समाज और खासतौर पर पुरुषों को सोच के स्तर पर ज्यादा संवेदनशील बनाने की जरूरत है।

इसी तरह, कुल्लू, मंडी, शिमला और चंबा जैसे प्रमुख सेब उत्पादक इलाकों में भी बर्फबारी लगभग न के बराबर हुई है। इस वजह से जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ी हैं। इस पूरे परिदृश्य को अब पर्यावरण प्रदूषण से जोड़कर देखा जा रहा है। देहरादून, ऋषिकेश और हल्द्वानी जैसे शहरों में एयर [ालिटी इंडेक्स बार-बार बेहद खराब श्रेणी में पहुंच रहा है। देश के राजनीतिक दल देश के लोगों के लिए कितने गैरजिम्मेदार हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हिमालय क्षेत्र में शोध पर आधारित दो महत्वपूर्ण पर्यावरणीय जानकारी के बारे में किसी ने चिंता तक जाहिर नहीं की। इन रिपोर्टों में सर्दी के मौसम में हिमालय क्षेत्र जंगलों में लगने वाली आग के कारण और भूस्खलन के नए केंद्रों की जानकारी दी गई है।

हिमालय क्षेत्र की बर्बादी से नेताओं को नहीं कोई सरोकार

(योगेंद्र योगी)

दरअसल ऐसी जानकारियों को गंभीरता से लेने पर राजनीतिक दलों के वोट बैंक में इजाफा नहीं होता। यही वजह है अत्यंत संवेदनशील और आम जन–जीवन को प्रभावित करने वाले पर्यावरण जेसे मुद्दे राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में जगह नहीं पाते हैं। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि इस बार सर्दियों का मौसम शुरू होने के बाद 1 नवंबर से अब तक उत्तराखंड में देश में सबसे अधिक 1,756 फायर अलर्ट दर्ज किए गए हैं। यह संख्या महाराष्ट्र (1,028), कर्नाटक (924), मध्य प्रदेश (868) और छत्तीसगढ़ (862) जैसे उन राज्यों की तुलना में काफी ज्यादा है, जो पारंपरिक रूप से जंगल में आग के मामले में अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। आमतौर पर दिसंबर जंगल में आग के लिहाज से सबसे शांत महीना माना जाता है, लेकिन पिछले तीन सालों में उत्तराखंड के लिए यह धारणा गलत साबित हुई है। दिसंबर में उत्तराखंड में बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई। जंगल की जमीन में नमी का लेवल बहुत कम है। उत्तराखंड की तरह, हिमाचल में भी पिछले साल अक्टूबर के पहले सप्ताह से कोई बारिश नहीं हुई थी।

इसी तरह, कुल्लू, मंडी, शिमला और चंबा जैसे प्रमुख सेब उत्पादक इलाकों में भी बर्फबारी लगभग न के बराबर हुई है। इस वजह से जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ी हैं। इस पूरे परिदृश्य को अब पर्यावरण प्रदूषण से जोड़कर देखा जा रहा है। देहरादून, ऋषिकेश और हल्द्वानी जैसे शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स बार-बार बेहद खराब श्रेणी में पहुंच रहा है। देहरादून में तो कई बार यह इंडेक्स 300 के पार जा चुका है, जो सीधे तौर पर लोगों की सेहत के लिए खतरनाक माना जाता है। उत्तराखंड पर्यावरण संरक्षण बोर्ड की ओर से कराए गए एक अध्ययन ने चिंता और बढ़ा दी है। रिपोर्ट में सामने आया कि पर्यावरण प्रदूषण में फॉरेस्ट फायर की भूमिका 15 से 20 प्रतिशत तक है, जो कि बेहद गंभीर आंकड़ा है।

उत्तराखंड का हिमालयी भूगोल, जलवायु परिवर्तन और तेज विकास की दौड़ मिलकर राज्य के लिए बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। उत्तराखंड में पिछले कुछ वर्षों में राज्य में तेज गति से सड़क निर्माण और बड़े बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स हुए हैं। इसका परिणाम यह निकला कि चारधाम यात्रा रूट के आसपास लगभग 100 नए भूस्खलन क्षेत्र पैदा हो गए। पहले से मौजूद संवेदनशील जोन भी और अधिक खतरनाक हो गए हैं।

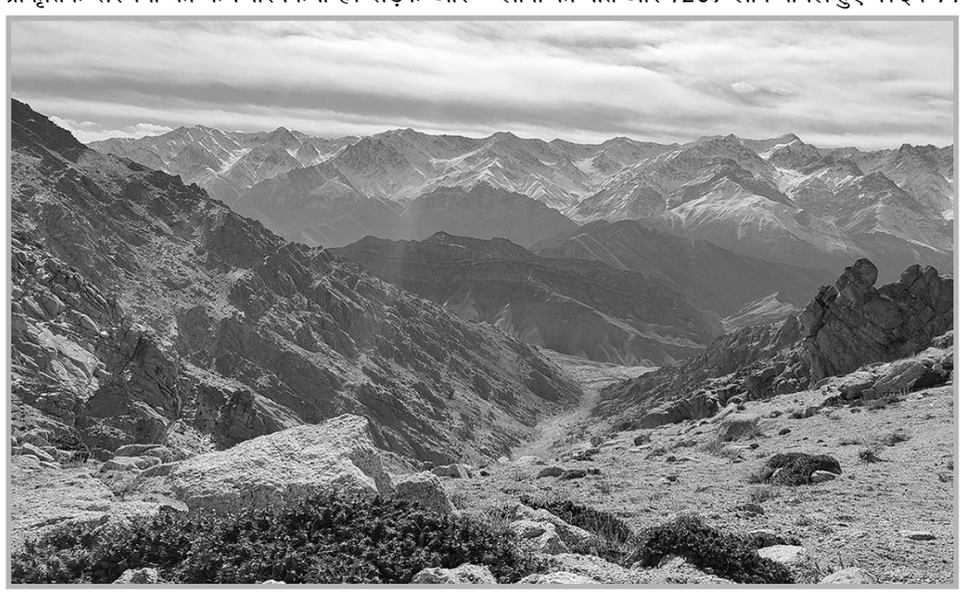

चारधाम यात्रा और पर्यटन उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन तेजी से निर्माण कार्यों ने पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना को कमजोर किया है। सड़क और हाइड्रो प्रोजेक्ट्स के लिए बड़े पैमाने पर ब्लास्टिंग की गई, भारी मशीनरी का उपयोग हुआ, जंगलों का व्यापक कटान किया गया। इन सभी वजहों से पुराने भूस्खलन क्षेत्र सक्रिय हुए और नए भूस्खलन क्षेत्र भी बन गए। उत्तराखंड के नेशनल हाईवे नेटवर्क पर करीब 400 भूस्खलन स्थल चिन्हित किए गए हैं। उत्तराखंड में मानसून सीजन में हर साल प्राकृतिक आपदाओं से भारी नुकसान होता है। साल 2025 के मानसून सीजन में अब तक उत्तराखंड में रिकॉर्ड बारिश हुई है। उत्तराखंड में 2016 से 25 तक प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिसमें हजारों लोगों की जान गई है। पिछले 11 वर्षों में 27,197 प्राकृतिक घटनाएं हुई हैं, जिनमें अतिवृष्टि और भूस्खलन की घटनाएं प्रमुख हैं। साल 2025 में सबसे अधिक घटनाएं दर्ज हुई, जिसमें 720 लोगों की मौत और 1207 लोग घायल हुए थे। इन 11 सालों के आंकड़े में केदारनाथ की साल 2013 में 16 और 17 जून को आई प्राकृतिक आपदा के आंकड़े नहीं जोड़े गए हैं। उस दौरान अकेले केदारनाथ में ही 4400 से ज्यादा लोग या तो लापता हो गए थे या फिर मारे गए थे। हिंदुकुश हिमालय का इलाका भारत, चीन, नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और बांग्लादेश तक फैला हुआ है। यहां गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी 11 बड़ी नदियां बहती हैं। वसंत के महीने में बर्फ पिघलने से ही इन नदियों को पानी मिलता है। लगभग 17 प्रतिशत आबादी पीने के पानी की जरूरतें पूरी करने के लिए सीधे तौर पर इससे जुड़ी हुई है। इसी पानी का उपयोग सिंचाई और हाइड्रोपावर के लिए भी किया जाता है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण हिंदुकुश हिमालय क्षेत्र के तापमान में वैश्विक औसत से 0.74डिग्री अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही साल 2003 से 2020 तक हिमालय के अधिकांश हिस्सों में बर्फ से घिरे इलाकों में गिरावट देखी गई। पहले यहां औसतन 102 दिनों तक बर्फ रहती थी। अब हर दस साल में पांच दिन कम हो रहे हैं। भारत के मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभों के कमजोर होने से पिछले साल दिसंबर में उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में न के बराबर बर्फ गिरी। गढ़वाल में इस साल जनवरी में बर्फबारी का अभाव देखा गया। ऐसा पिछले 40 सालों में पहली बार हुआ है। कम हिमपात के चलते जटामांसी और कुटकी जैसी महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक जड़ीबूटियां विलुप्त हो रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में स्नो ड्रॉट या 'बर्फ का सूखा' जैसी स्थिति बन रही है। विशेष रूप से 3,000 से 6,000 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यह प्रभाव सबसे अधिक देखा गया है। हिमाचल प्रदेश में बेलगाम विकास से पर्यावरण को हो रहे नुकसान पर सुप्रीम कोर्ट चिंता जता चुका है। कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो हिमाचल एक दिन नक्शे से गायब हो जाएगा। कोर्ट ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से जवाबतलब किया। कोर्ट ने कहा कि हिमाचल में भूस्खलन, बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाएं मानव निर्मित हैं। बिना वैज्ञानिक अध्ययन के फोर लेन रोड बन रहे हैं और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट लग रहे हैं। उनके लिए पेड़ काटे जा रहे हैं। पहाड़ों को बारूद से उड़ाया जा रहा है। सिर्फ राजस्व कमाना सब कुछ नहीं। पर्यावरण के विनाश की कीमत पर ऐसी कमाई हिमाचल के अस्तित्व को ही खत्म कर देगी। आश्चर्य की बात यह है कि राजनीतिक दलों को जो काम करना चाहिए उसे सुप्रीम कोर्ट को करना पड़ रहा है। अभी भी वक्त है हिमालय क्षेत्र के पर्यावरण की यदि सुध नहीं ली गई कि तो भविष्य में ज्यादा गंभीर दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत ने बिछाई बड़ी कूटनीतिक बिसात तो सौदेबाजी की मेज पर भागता हुआ आया अमेरिका

जयशंकर की यात्रा सात महीने बाद उनकी पहली द्विपक्षीय अमेरिका यात्रा है। पिछली यात्रा उस समय हुई थी जब अमेरिका ने भारत पर कड़े शुल्क नहीं लगाए थे। इन महीनों में बहुत कुछ बदल गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद शुल्क को हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अमेरिका यात्रा ऐसे समय हो रही है जब वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा और व्यापारिक खींचतान एक दूसरे में उलझ चुकी हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

जयशंकर की यह यात्रा आपूर्ति श्रृंखला, दुर्लभ खनिज, रक्षा सहयोग और व्यापार समझौते पर नए संतुलन की तलाश है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो की पहल पर आयोजित महत्वपूर्ण खनिज मंत्री स्तरीय बैठक में जयशंकर की भागीदारी इस बात का संकेत है कि आने वाले दशक की शक्ति राजनीति खनिज, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा के इर्द गिर्द घूमेगी। जयशंकर की यह यात्रा सात महीने बाद उनकी पहली द्विपक्षीय अमेरिका यात्रा है। पिछली यात्रा उस समय हुई थी जब अमेरिका ने भारत पर कड़े शुल्क नहीं लगाए थे। इन महीनों में बहुत कुछ बदल गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद शुल्क को हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया। भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क और रूस से तेल खरीद पर दंडात्मक शुल्क ने संबंधों में कड़वाहट घोली। अब संकेत मिल रहे हैं कि वाशिंगटन नरमी दिखा सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि रूस से तेल खरीद घटने पर अतिरिक्त शुल्क हटाने का रास्ता है। साथ ही वेनेजुएला से तेल खरीद फिर शुरू करने की अनुमति का संदेश भी दिया गया है। यह सब केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि वार्ता की मेज पर सौदेबाजी के पत्ते हैं। दिलचस्प यह है कि इसी बीच भारत ने 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता पूरा कर लिया। इसने अमेरिका को यह संदेश दिया कि नई दिल्ली विकल्प तलाशने में सक्षम है। अटलांटिक परिषद से जुड़े विशेषज्ञ मार्क लिंस्काट का आकलन है कि भारत यूरोप समझौता अमेरिका भारत व्यापार वार्ता को तेज कर सकता है। साफ है कि वाशिंगटन भारत को खोना नहीं चाहता। वैसे भी भारत और अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व की हालिया बातचीत और सार्वजनिक बयानों से यह आभास भी मजबूत हो रहा है कि दोनों देश लंबित व्यापार समझौते को अब अधिक देर तक टालना नहीं चाहते। पिछले महीनों में फोन पर हुई वार्ताओं, मंत्रिस्तरीय संपर्क और समान हितों पर दिए गए जोर से यह संकेत मिलते हैं कि माहौल को जानबूझकर सकारात्मक बनाया जा रहा है। ऐसे में जयशंकर की अमेरिका यात्रा को केवल खनिज या सामरिक चर्चा तक सीमित नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे संभावित व्यापार समझौते की राह साफ करने वाली पहल के रूप में भी समझा जा रहा है। कूटनीतिक गलियारों में यह धारणा बन रही है कि यदि इस यात्रा में मुख्य अड़चनों पर सहमति का रास्ता निकलता है तो यह आगे की औपचारिक वार्ता के लिए हरी झंडी जैसा होगा, जिसके बाद मोदी सरकार अंतिम राजनीतिक स्वीकृति देकर समझौते पर मुहर लगा सकती है। यानी यह दौरा भविष्य के बड़े आर्थिक फैसले की भूमिका भी लिख सकता है। हम आपको यह भी बता दें कि अपनी यात्रा से पहले जयशंकर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। उनके साथ अमेरिकी संसद के सदस्य जिमी पैट्रोनिस, माइक रोजर्स और एडम स्मिथ भी मौजूद रहे। बातचीत में व्यापार, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज, हिंद प्रशांत क्षेत्र और यूक्रेन संघर्ष जैसे विषय शामिल रहे। यह केवल शिष्टाचार भेंट नहीं बल्कि जमीन तैयार करने वाली बातचीत थी। गोर ने भारत को अमेरिका का अहम भागीदार बताया और साझा सामरिक हितों पर जोर दिया। साथ ही अमेरिकी संसदीय दल की जनवरी में नई दिल्ली यात्रा भी रक्षा तकनीक सहयोग, सह उत्पादन और सह विकास पर केंद्रित रही। संदेश साफ है कि रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग संबंधों की रीढ़ बन सकता है। अब इस पूरे घटनाक्रम को भारत के केंद्रीय बजट की घोषणाओं से जोड़कर देखिये। मोदी सरकार ने ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे खनिज संपन्न राज्यों में दुर्लभ खनिज गलियारे बनाने का प्रस्ताव रखा है। खनन, प्रसंस्करण, अनुसंधान और निर्माण को बढ़ावा देने की योजना सीधे उसी दिशा में जाती है जिस पर अमेरिका और उसके सहयोगी काम कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर अभियान के लिए ये खनिज अनिवार्य हैं। बैटरी भंडारण के लिए लिथियम आयन कोश निर्माण, सौर कांच के लिए सोडियम एंटिमोनेट, परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आयातित सामान पर मूल शुल्क छूट, मिश्रित सीएनजी पर उत्पाद शुल्क गणना से जैव गैस को बाहर रखना और बैटरी भंडारण परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अंतर सहायता को पांच गुना बढ़ाना दिखाता है कि भारत ऊर्जा और प्रौद्योगिकी की नई दौड़ के लिए तैयारी कर रहा है। 2030 तक पांच सौ गीगावाट गैर जीवाश्म ऊर्जा और 2047 तक सौ गीगावाट परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य भारत की नई सामरिक दिशा है। यह भारत की बहुस्तरीय चाल है। एक ओर अमेरिका से तनाव घटाना, दूसरी ओर अपने हितों पर अडिग रहना, और साथ साथ यूरोप, रूस तथा अन्य साझेदारों के साथ संतुलन बनाए रखना आसान नहीं। पर भारत अब रक्षात्मक नहीं, सौदेबाज की मुद्रा में दिख रहा है। अमेरिका को भी समझना होगा कि शुल्क की लाठी से साझेदारी नहीं चलती। यदि वह भारत को सचमुच चीन का विकल्प बनाना चाहता है तो भरोसा, प्रौद्योगिकी साझेदारी और बाजार पहुंच देनी होगी। भारत के लिए भी संदेश साफ है कि आत्मनिर्भर खनिज और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र बनाए बिना कोई सामरिक स्वायत्तता संभव नहीं। बहरहाल, जयशंकर की कूटनीति की खासियत यही है कि वे मुस्कान के साथ कठोर संदेश देते हैं। अब देखना यह है कि वाशिंगटन इस संकेत को कितना समझता है। अभी जो तस्वीर उभर रही है वह बताती है कि नई दिल्ली ने खेल समझ लिया है और चाल चल दी है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5993

1	2		3	4	■	5	6
7			■	8			
9		10		■	■	11	
	■		■	12		■	■
13	14		15		■	16	17
18		■	19		20		
■	21			■	22		
23		■	24			■	■

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारत की इस प्रथम महिला आई.पी.एस.अधिकारी का जन्मदिवस है (09 जून 1949)(5)
5. सिर के बाल झड़ने का रोग (2)
7. संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
8. गानवृंद, गायक दल (5)
9. वर्षा के समान गिरना, क्रुद्ध होना (4)
11. अव्यक्त मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
12. गेंहू, जौ आदि पौधे के डंठलों के छोटे टुकडे जो पशु भोजन के रूप में इस्ते माल होती है (2)
13. डायरी जिसमें दैनिक कार्यो का विवरण लिखा जाता है (5)
16. उम्मीद, वस्तु आदि पाने का अल्पनिश्चय (2)
18. मथुरापति कंस के मल्ल का एक नाम, भाला (3)
19. ख्वाहिशमंद, इच्छा रखने वाला (5)
21. पगश्रृंगार, पायजेब (3)
22. पुनीता, पवित्रा (3)
23. दृश्य (2)
24. व्यतीत होना, फल (3)

ऊपर से नीचे

1. पुस्तक विक्रेता को यह भी कहा जाता है (3)
2. दौड़ने वाला (अंग्रेजी)(3)
3. पराया, गैर आदमी, अनजान (3)
4. दयनीय दशा या अवस्था वाला (2)
5. यह नदी गंगा की सहायक नदी है (3)
6. महान, पूज्य, मोहतरम (3)
10. अंदर भरना, गुंजाईश होना (3)
12. भूकंप, जलजला, भूडोल (3)
16. कलेवा, नाश्ता (4)
15. स्वार्थी, खुदगर्ज (4)
16. आने वाला, भविष्य में होने वाला (3)
17. दुर्गा, माता सरस्वती का एक नाम (3)
20. प्रवाहित होना, जल प्रवाह होना (3)

वर्ग पहेली 5992 का हल

ऑ	ल	इं	डि	या	रे	डि	यो
स्क	■	त	■	क	ज	■	ग
र	म	जा	न	■	गा	ज	■
■	ह	म	■	व	री	य	ता
त	त्व	■	अ	ली	■	कि	ला
■	पू	ज	क	■	■	श	ब
पू	र्ण	■	ब	लि	दा	न	■
जा	■	मौ	र	■	वा	■	सा

बच्चों को स्ट्रेस मत दो, जीवन जीना सिखाओ

(सुंदरचंद ठाकुर)

बोर्ड परीक्षाओं का समय आते ही घरों का माहौल बदल जाता है। किताबों के पन्ने भारी हो जाते हैं, कमरों में सन्नाटा बढ़ जाता है और बातचीत का एक ही विषय रह जाता है - अंक, रैंक और परिणाम। माता पिता अपने अपने ढंग से चिंतित होते हैं। उन्हें लगता है कि यह समय निर्णायक है, यहीं से बच्चे का भविष्य बनेगा या बिगड़ेगा। इसी चिंता में वे अनजाने में बच्चों पर अपेक्षाओं का बोझ डाल देते हैं। हम अपने बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करते हैं। अच्छे अंक लाओ, अच्छी लाइन चुनो, अच्छे संस्थान में जाओ, अच्छी नौकरी पाओ। यह सब कहते हुए हमें लगता है कि हम उनका भला कर रहे हैं। पर इस प्रक्रिया में हम एक बुनियादी बात भूल जाते हैं ङ्क हम उन्हें जीवन के लिए तैयार नहीं कर रहे।

जीवन केवल परीक्षाओं से नहीं बनता। जीवन में असफलताएं आती हैं, भ्रम आते हैं, रिश्तों की उलझनें आती हैं, अकेलापन आता है और ऐसे प्रश्न आते हैं जिनका कोई पाठ्यक्रम नहीं होता। यदि बच्चा केवल अंक लाने की मशीन बनकर बड़ा हुआ है, तो वह इन क्षणों में टूट जाता है। क्योंकि हमने उसे जीतना सिखाया, जीना नहीं। अक्सर माता पिता कहते हैं कि हम दबाव इसलिए डालते हैं ताकि बच्चा बेहतर कर सके। पर बच्चा दबाव और प्रोत्साहन के फर्क को नहीं समझ पाता। उसके लिए यह सीधा संदेश होता है कि मेरी कीमत मेरे अंकों से तय होगी। अगर अंक अच्छे आए तो मैं स्वीकार्य हूं, नहीं आए तो निराशा बन जाऊंगा। यही सोच धीरे धीरे उसके भीतर भय और असुरक्षा भर देती है।

परीक्षा एक पड़ाव है, जीवन नहीं। परिणाम एक संख्या है, पहचान नहीं। पर जब हम हर बातचीत को परिणाम से जोड़ देते हैं, तो बच्चे का मन संकुचित हो जाता है। वह पढ़ता है, पर डर के साथ। वह मेहनत करता है, पर आनंद के बिना। और डर के साथ किया गया कोई भी प्रयास अंततः मन को कमजोर करता है। जीवन के लिए तैयार करने का अर्थ है बच्चे को यह सिखाना कि असफलता अंत नहीं है। कि प्रयास का मूल्य परिणाम से अधिक है। कि तुलना जीवन की सबसे बड़ी चोरी है। कि हर व्यक्ति की गति अलग होती है। यदि बच्चा यह समझ ले, तो वह परीक्षा देगा, पर परीक्षा उसे नहीं तोड़ेगी।

हमें बच्चों को यह भी सिखाना चाहिए कि वे केवल माता पिता की आकांक्षाओं का विस्तार नहीं हैं। वे स्वतंत्र चेतनाएं हैं, जिनकी अपनी रुचियां, क्षमताएं और सीमाएं हैं। जब बच्चा यह महसूस करता है कि उसे सुना जा रहा है, समझा जा रहा है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। और आत्मविश्वास ही किसी भी परीक्षा की सबसे बड़ी तैयारी है। इस समय माता पिता को सबसे अधिक जिस चीज की जरूरत है, वह है धैर्य। कम बोलना, अधिक सुनना। कम तुलना करना, अधिक विश्वास दिखाना। बच्चे को यह एहसास दिलाना कि तुम जैसे हो, वैसे ही स्वीकार्य हो। अंक आएंगे, रास्ते बनेंगे, पर तुम्हारा होना हमसे अलग नहीं होगा।

यदि हम बच्चों को जीवन के लिए तैयार करें, तो भविष्य अपने आप संभल जाता है। पर यदि हम केवल भविष्य के पीछे भागें और जीवन को भूल जाएं, तो हम एक पीढ़ी को सफल तो बना सकते हैं, पर शांत नहीं। बोर्ड परीक्षाएं आएंगी और चली जाएंगी। पर इन दिनों में बच्चे के भीतर जो भाव बैठता है, वह जीवन भर साथ चलता है। सवाल यह है कि हम उसमें भय बोना चाहते हैं या भरोसा। क्योंकि भरोसे के साथ बढ़ा हुआ बच्चा ही सचमुच जीवन में आगे जाता है ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल

मेष

आपको संपत्ति के लेन-देन से लाभ मिलेगा। घर-परिवार के लोगों के सहयोग से फायदा होगा। किसी सम्मान की भी आपको प्राप्ति हो सकती है। लोगों के बीच में आपकी छवि मजबूत होगी। शाम होते-होते कुछ शारीरिक परेशानी भी उठानी पड़ सकती है। आपको सामाजिक क्षेत्र में मान सम्मान की प्राप्ति होगी।

वृष

प्रतियोगिता में भी आप सफलता पाएंगे। सुख साधनों में वृद्धि होगी। लव लाइफ के मामले में दिन रोमांटिक रहेगा। दोस्तों से भी आपको कल आज आपके शत्रु आपके ऊपर हावी रहेंगे। सिंह राशि का चंद्रमा चतुर्थ भाव में आपको निडर बनाएगा। आप बिना किसी परेशानी के अपने सभी कार्य पूरे करते चले जाएंगे।

मिथुन

आज आपको अपने शब्दों का सोच-समझकर इस्तेमाल करना होगा। आपकी बात सामने वाले को बुरी लग सकती है। हनुमान जी की कृपा आपके ऊपर बनी रहेगी और कोई फंसा हुआ धन आपको मिल सकता है। समझदारी से लिए गए फैसले आपको लाभ दिलाएंगे।

कर्क

आज कड़ी मेहनत से आपको कार्यों में सफलता मिलेगी। छोटे भाई-बहन से कोई मतभेद हो सकता है। घर से जुड़ी सुख-साधनों की वस्तुओं पर खर्च बढ़ सकता है। शत्रुओं पर जीत मिलेगी और उनके सभी प्रयास विफल होंगे। रात के समय किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

सिंह

आज धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा। दान-पुण्य के काम में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। नौकरी या व्यवसाय में अपने दम पर किए गए कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। नई योजनाओं की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है। अटके हुए काम को निपटाने के लिए धन खर्च करना पड़ सकता है।

कन्या

आज भाग्य आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा। लंबे समय से परेशान कर रही शारीरिक समस्या से आपको निजात मिलेगी। संतान पक्ष से भी खुशखबरी आपको मिलती दिख रही है। अपना वामी पर संयम रखकर कार्य करेंगे तो सफलता मिलने की अधिक संभावना रहेगी।

तुला

आज छात्रों के लिए मंगलवार का दिन अच्छा रहेगा। शिक्षा में रुचि बढ़ेगी और कुछ नया सीखने में भी सफल होंगे। माता-पिता और गुरुजनों का आशीर्वाद मिलेगा। शाम के समय थोड़ा सावधान रहना होगा। सामान के चोरी होने या चोट लगने की संभावना दिख रही है।आप अपनी व्यवहार कुशलता और मृदु वाणी से विरोधियों और शत्रुओं से भी काम निकलवाने में सफल हो सकते हैं।

वृश्चिक

आज आपको खर्चों पर थोड़ा कंट्रोल करना होगा। धार्मिक कार्यों से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अपनी कुशल योजनाओं के बन पर शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। शाम का समय लोगों से मेल-मिलाप में बीतेगा।सामाजिक क्षेत्र में आपकी पहचान का दायरा बढ़ेगा और आपको मान सम्मान की भी प्राप्ति होगी।

धनु

आज आपके बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी। कठिन से कठिन कार्यों में भी आपको सफलता मिलेगी। दिन आपके लिए इच्छाओं की पूर्ति कराने वाला रहेगा। किसी प्रकार का सम्मान मिलने की भी प्रबल संभावना है। शाम का समय धार्मिक कार्यों में बीतेगा। जो जातक बीते कुछ दिनों से बीमार चल रहे हैं उनकी सेहत में सुधार हो सकता है।

मकर

आज पैतृक संपत्ति से आपको धन लाभ होगा। तंत्र-मंत्र और साधना में आपकी रुचि बढ़ सकती है। बिना मांगे किसी को सलाह न दें। आपकी सलाह का उल्टा असर हो सकता है। रात के समय पुण्य कार्यों में शामिल होने का अवसर मिलेगा। कूटनीतिक बुद्धि और व्यवहारकुशला का आप कल लाभ ले पाएंगे। वैवाहिक जीवन आपका प्रेमपूर्ण रहेगा।

कुंभ

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आमदनी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। करियर को लेकर किए गए प्रयास में आपको सफलता मिलेगी। कई रास्तों से धन आने से आपके कोष में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग आपके काम आएगा और कुछ नए दोस्त भी बनेंगे।

मीन

आज संपत्ति में वृद्धि की प्रबल संभावना है। ननिहाल पक्ष से कोई लाभ या मान-सम्मान प्राप्त होगा। पत्नी और ससुराल पक्ष का भी आपको पूरा सहयोग मिलेगा। शाम के समय गुप्त शत्रुओं के कारण थोड़ी परेशानी हो सकती है।

सेल और अन्य स्टील पीएसयू अगले साल जम कर करेंगी निवेश, रोजगार भी बढ़ेगा?

वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान कैपिटल एक्सपेंडिचर में भारी बढ़ोतरी की योजना बनाई है

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टील बनाने की बात हो इस समय हम दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा बनाने वाला देश बन चुके हैं। इस समय चीन ही ऐसा देश है जो कि हमसे ज्यादा स्टील बनाता है। हालांकि, जब स्पेशलाइज्ड स्टील बनाने की बात हो इसमें हम जापान और कोरिया समेत दुनिया के कई देशों से पीछे हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए सरकारी स्टील कंपनियों ने वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान कैपिटल एक्सपेंडिचर में भारी बढ़ोतरी की योजना बनाई है।

बजट में हुआ है उल्लेख- बीते दिनों ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में साल 2026-27 का आम बजट पेश किया। इसे देखें तो पता चलता है कि स्टील बनाने वाली सरकारी कंपनियों का निवेश अगले कुछ सालों में काफी बढ़ने वाला है। यह निवेश कैपिटल एक्सपेंडिचर यानी नई मशीनरी और प्लांट पर होने वाला है। बजट के मुताबिक अगले वित्त वर्ष के दौरान यह एक्सवेंडिचर लगभग 44 प्रतिशत बढ़कर 25,125 करोड़ रुपये हो जाएगा। माना जा रहा है कि इससे रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। सबसे आगे सेल और एनएमडीसी बजट के कागजात को देखें तो कैपिटल एक्सपेंडिचर बढ़ाने में डेवलपमेंट कॉरपोरेशन सबसे आगे हैं। इन दोनों कंपनियों का केनेक्स 50 प्रतिशत तक बढ़

महार प्रतिशत पीएसयू स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और नेशनल मिनरल जाएगा। यह पैसा वे अपनी आंतरिक कमाई और अन्य स्रोतों आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाध से जुटाएंगे।

वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान सेल का कैपेक्स 15,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। यह पिछले साल यानी वित्त वर्ष 2025-26 में 10,000 करोड़ रुपये के केनेक्स से काफी ज्यादा है। वहीं, एमटीपीए का भी वित्त वर्ष 2025-26 के 6,000 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में 9,000 करोड़ रुपये हो जाएगा। मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड भी इस साल 800 करोड़ रुपये खर्च करेगी, जो पिछले साल के 600 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

ग्रीन स्टील की तरफ कदम: दुनिया भर की कंपनियां इस समय ग्रीन स्टील की तरफ बढ़ रही हैं। मतलब होता है इसे बनाने के दौरान कम से कम प्रदूषण हो। आईसीआरए रेटिंग्स का अनुमान है कि भारत में कुल स्टील की मांग में ग्रीन स्टील का हिस्सा 2030 तक लगभग 2 प्रतिशत (करीब 4 एमटी) से बढ़कर 2040 तक करीब 10 प्रतिशत (लगभग 30 एमटी) और 2050 तक 40 प्रतिशत (लगभग 150 एमटी) हो जाएगा।

स्टील बनाने में भारत कहां है

दुनिया भर में स्टील बनाने की बात हो तो भारत दूसरा सबसे बड़ा देश है। यहां हर साल करीब 205 मिलियन टन स्टील बनाया जाता है। इस मामले में चीन हमसे बहुत आगे है। वह साल में करीब 1200 एमटीपीए से ज्यादा स्टील बनाता है। भारत सरकार की नेशनल स्टील पॉलिसी 2017 के तहत, हमारा लक्ष्य साल 2030-31 तक 300 एमटीपीए स्टील बनाने की क्षमता हासिल करना है। इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक, इसके लिए 2023-31 तक 45-50 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी, जिससे 80-85 एमटी नई क्षमता बढ़ेगी।

स्टील सेक्टर में मंदी

इस समय दुनिया भर में स्टील कंपनियां थोड़ी मंदी का सामाना कर रही हैं। इसके बावजूद, एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत में स्टील की कीमतें बढ़ेंगी। नोमुरा ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है, हमें लगता है कि स्टील की खपत में हाल की गिरावट एक मौसमी वजह से है, न कि कोई बड़ी समस्या। उन्होंने यह भी बताया कि वित्त वर्ष 2027-28 तक स्टील की मांग फिर से बढ़ेगी। इसकी वजह ऑटोमोबाइल सेक्टर में सुधार, इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, मैन्युफैक्चरिंग में बढ़ोतरी और अन्य उद्योगों का मजबूत बने रहना है।

24 कैरेट सोना 24 घंटे में 8438 हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के भाव में पिछले 24 घंटे में बहुत बड़ा बदलाव आया है। सर्राफा बाजारों में पिछले 24 घंटे में 24 कैरेट सोना 8438 रुपये महंगा हुआ जबकि, चांदी 18876 रुपये उछल गई। सोमवार को दोपहर सवा 12 बजे जारी रेट से आज सवा 12 जारी रेट में बड़ा अंतर दिख रहा है। सोमवार को 24 कैरेट सोना बिना जीएसटी 142270 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था और आज 150708 रुपये पर खुला। इसी तरह चांदी 236496 रुपये प्रति किलो के रेट से खुली थी और आज इसकी ओपनिंग 255372 रुपये पर हुई है।

सोमवार के बंद भाव के मुकाबले 24 कैरेट सोना आज मंगलवार को 1962 रुपये महंगा होकर बिना जीएसटी 150708 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। वहीं, चांदी 4128 रुपये का गोता लगाकर बिना जीएसटी 255372 रुपये पर खुली।

जीएसटी समेत चांदी का भाव अब 263033 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया है। जबकि, 24 कैरेट गोल्ड का रेट अब जीएसटी समेत 155229 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं, प्लैटिनम भी 5220 रुपये

उछलकर 68390 रुपये पर पहुंच चुका है।

सोमवार को चांदी बिना जीएसटी 259500 रुपये पर बंद हुई। इसी तरह सोना बिना जीएसटी 148746 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोना सर्राफा मार्केट के अपने ऑल टाइम हाई 176121 से 25413 रुपये गिर चुका है। जबकि, चांदी 29 जनवरी के अपने ऑल टाइम हाई 385933 रुपये किलो से 130561 रुपये सस्ती हो चुकी है।

यह रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए हैं। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। अभी यह रेट दोपहर 12 बजे वाला है। 14 कैरेट गोल्ड का रेट 1148 रुपये चढ़ा है। आज यह 88164 रुपये पर खुला और जीएसटी समेत यह 90808 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिलेगा। इसके साथ ही 18 कैरेट गोल्ड में भी 1471 रुपये की बड़ी तेजी दर्ज की गई है। आज यह 11303 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत 116421 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है।

22 कैरेट गोल्ड अब 1798 रुपये महंगा होकर 138049 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। जीएसटी संग यह 142190 रुपये है। आज 23 कैरेट गोल्ड भी 1955 रुपये उछलकर 150105 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 154608 रुपये हो गई है।

रुपए में जबरदस्त तेजी, डॉलर के मुकाबले 119 पैसे चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ में बड़ी कटौती के ऐलान के बाद भारतीय रुपए में जबरदस्त मजबूती देखने को मिल रही है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बनी सहमति का सीधा असर करेंसी मार्केट पर पड़ा है। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 119 पैसे की जोरदार बढ़त के साथ 90.30 पर पहुंच गया। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय करेंसी 2021 के बाद सबसे ज्यादा मजबूत हुई है विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी शुल्क में कटौती से पूरी तस्वीर बदल गई है। इससे दुनिया के सामने भारत की स्थिति मजबूत हुई है और भारतीय बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों की वापसी के दरवाजे खुल गए हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.30 पर खुला, जो पिछले बंद स्तर 91.49 के मुकाबले 119 पैसे की बढ़त दर्शाता है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत गिरकर 97.43 पर था।

एलआईसी में हिस्सा बेच सकती है सरकार: निवेशकों की नजरें तनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार अगले वित्त वर्ष में अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के माध्यम से बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलआईसी में अपनी हिस्सेदारी और घटाने पर विचार कर रही है। वर्तमान में, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में सरकार की 96.5 फीसदी हिस्सेदारी है। सरकार ने मई, 2022 में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 902-949 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में कंपनी में 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी। इस शेयर बिक्री से सरकार को करीब 21,000

करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने सोमवार को कहा, एलआईसी के सार्वजनिक निर्गम को धीरे-धीरे लाना होगा। हमने दीपम से एलआईसी में हिस्सेदारी कम करने की संभावनाओं को देखने के लिए कहा है। सरकारी बिजली क्षेत्र की ऋणदाता पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) और उसकी सहायक कंपनी आरईसी का विलय हो सकता है। इसका प्रस्ताव बजट में रखा गया है। अंतिम निर्णय उच्च स्तर पर होगा। मार्च, 2019 में पीएफसी ने सरकार को 14,500 करोड़ में आरईसी में बहुमत हिस्सा लिया था।

इंडिगो को भारी पड़ी दिसंबर की अव्यवस्था, यात्रियों को चुकाना पड़ा 22 करोड़ से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को दिसंबर महीने में उड़ानों की भारी अव्यवस्था काफी महंगी पड़ी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इंडिगो ने यात्रियों को मुआवजे और सुविधाओं के तौर पर अकेले 22.68 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह भारी-भरकम रकम उन यात्रियों को दी गई है जिन्हें फ्लाइट कैंसिल होने, उड़ानों में देरी होने या बोर्डिंग से मना किए जाने जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। सरकार ने सदन को बताया कि दिसंबर में सभी घरेलू एयरलाइनों ने कुल मिलाकर 24 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक मुआवजा दिया, जिसमें से सबसे बड़ा हिस्सा अकेले इंडिगो की जेब से गया है। इंडिगो के

लिए यह संकट दिसंबर की शुरुआत में गहराया था, जब 3 से 5 दिसंबर के बीच उसकी 2,507 उड़ानें रद्द हुईं और 1,800 से ज्यादा लेट हुईं, जिसका असर 3 लाख से अधिक यात्रियों पर पड़ा था। हालात इतने बिगड़ गए थे कि डीजीसीए को एयरलाइन के विंटर शेड्यूल में 10 प्रतिशत की कटौती तक करनी पड़ी थी। मुआवजे के मामले में दूसरी एयरलाइंस इंडिगो के मुकाबले काफी पीछे रहीं; जहां टाटा समूह की एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मिलकर करीब 74.61 लाख रुपये चुकाए, वहीं स्पाइसजेट ने 40.09 लाख रुपये और अकासा एयर ने 21.06 लाख रुपये का भुगतान किया।

यूएस-इंडिया ट्रेड डील का प्रभाव, उछलने लगे अडानी ग्रुप के शेयरों के भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। यूएस-इंडिया ट्रेड डील के ऐलान के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में मंगलवार को 13 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई। प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ट्रेड डील की घोषणा के बाद अडानी ग्रीन और अडानी एंटरप्राइजेज इस रैली में सबसे आगे रहे। अडानी ग्रीन के शेयर सबसे बड़े गेनर रहे, जबकि अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 10 प्रतिशत चढ़ गए। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी पोर्ट्स और अडानी टोटल गैस के शेयर 6-8 प्रतिशत ऊपर ट्रेड कर रहे थे। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पावर और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस जैसी कंपनियों को एनर्जी ट्रेड संबंध और बढ़ते द्विपक्षीय आर्थिक रिश्तों से जुड़े बुनियादी ढांचे के अवसरों से फायदा हो सकता है।

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने अडानी ग्रुप कंपनियों को इस ट्रेड डील के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक बताया है, क्योंकि इससे अमेरिका को भारतीय निर्यात पर टैरिफ 50 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म एंटीक ने भी अडानी पावर और अडानी पोर्ट्स को इस सौदे के प्रमुख लाभार्थियों में शामिल किया है। अडानी शेयरों में आज की यह तेजी बाजार में एक बड़ी रैली का हिस्सा है, क्योंकि ट्रंप की घोषणा ने शॉर्ट-सेलर्स को अचंभे में डाल दिया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले 16 महीनों में लगभग 34 अरब डॉलर के भारतीय इक्विटी बेचे थे और डेरिवेटिव्स पक्ष पर उनकी लगभग 90 प्रतिशत शॉर्ट पोजीशन थी। जेफरीज ने कहा कि ट्रेड डील को लेकर एक प्रमुख निवेशक चिंता अब दूर होनी चाहिए। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों के लिए आउटलुक अब सुधर रहा है। हाल में हुए श्व, च और अन्य फी ट्रेड डील के साथ मिलाकर, रुपये के लिए नजरिए को निकट अवधि में जबरदस्त बढ़ावा मिल सकता है, जो एफपीआइ फ्लो के लिए एक सकारात्मक ट्रिगर साबित हो सकता है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 7 प्रतिशत की उछाल

इस अधिग्रहण से गदगद निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आज 7 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस उछाल के पीछे की वजह एक अधिग्रहण है। कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि उनकी सब्सिडियरी कंपनी रिलायंस स्ट्रेटेजिक बिजनेस वेंचर्स लिमिटेड ने 50.1 प्रतिशत हिस्सेदारी सिख्या एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड में हासिल किया है। यह डील 150 करोड़ रुपये में हुई है। अधिग्रहण की प्रक्रिया 2 फरवरी को पूरी हुई है।

आज मंगलवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बीएसई में 1481.45 रुपये के लेवल पर खुले हैं। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 7 प्रतिशत की तेजी के बाद 1489 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था। रिलायंस ने क्यों की है यह डील इस नई डील से जियो स्टूडियो की पोजीशन देश मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर में मजबूत

होगी। रिलायंस ने अपने प्रेस रिलीज में कहा कि इस डील से जियो स्टूडियो को फायदा होगा। बता दें, सिख्या एंटरटेनमेंट एक चर्चित प्रोडक्शन हाउस है। कंपनी को एकेडमी अवार्ड और कई अन्य फिल्म अवार्ड मिल चुके हैं।

पिछला एक साल कैसा रहा है

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में बीते एक साल के दौरान करीब 16 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 8.63 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। कंपनी का 52 वीक हाई 1611.20 रुपये और 52 वीक लो लेवल 1115.55 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 19.53 लाख करोड़ रुपये का है। 5 साल में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 62 प्रतिशत की तेजी आई है। जोकि सेंसेक्स इंडेक्स के 66.85 प्रतिशत के रिटर्न की तुलना में कम है।

2024 में कंपनी ने दिया था बोनस शेयर

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने निवेशकों को 2024 में बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया था। 2025 में कंपनी ने 5.50 रुपये का डिविडेंड निवेशकों को दिया था।

देश में बढ़ रही महंगे स्मार्टफोन की मांग

बिक्री में एपल की हिस्सेदारी बढ़कर रिकॉर्ड 28 प्रतिशत पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज टेक कंपनी एपल ने भारतीय स्मार्टफोन बाजार में अब तक की सबसे अधिक 28 फीसदी हिस्सेदारी दर्ज की है। यह वृद्धि प्रीमियमाइजेशन के बढ़ते चलन के कारण हुई है। काउंटरपाइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, जहां बिक्री में वृद्धि स्थिर बनी हुई है, वहीं कुल बाजार मूल्य में अधिक तेजी से वृद्धि हो रही है, क्योंकि भारतीय खरीदार अधिक महंगे मॉडल खरीद रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत में एपल का 23 फीसदी हिस्सा था।

आईफोन-16 की सफलता, आक्रामक फाइनेंस स्कीमों और ट्रेड इन ऑफर्स के कारण कंपनी ने देश में अपनी अब तक की सबसे अधिक हिस्सेदारी हासिल की है। 2025 में मूल्य के हिसाब से एपल ने 28 फीसदी हिस्सेदारी के साथ बाजार का नेतृत्व किया। त्योहारों से संबंधित प्रचार और व्यापक चैनल विस्तार ने राजस्व वृद्धि को बढ़ावा दिया। आईफोन-16 सीरीज 2025 में भारत

में सबसे अधिक बिकने वाला मॉडल रहा। यह भारत में किसी भी सीरीज के लिए अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री हिस्सेदारी भी थी। 2025 में भारत के स्मार्टफोन बाजार में वॉल्यूम के हिसाब से एक फीसदी और मूल्य के हिसाब से 8 फीसदी की वार्षिक वृद्धि हुई। खुदरा क्षेत्र में 2025 में कुल स्मार्टफोन बिक्री में 40 फीसदी हिस्सा फाइनेंस के जरिये हुआ। 30,000 रुपये से अधिक कीमत वाले प्रीमियम सेगमेंट में लगभग दो-तिहाई खरीदारी फाइनेंस के माध्यम से की गई। यह ग्राहकों को उच्च स्तरीय उपकरणों में अपग्रेड करने में सक्षम बनाने में किस्त विकल्पों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रीमियम सेगमेंट, एंट्री लेवल और बजट सेगमेंट की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ रहा है। 2025 में प्रीमियम सेगमेंट वॉल्यूम के हिसाब से सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेगमेंट बनकर उभरा। इसमें सालाना आधार पर 11 फीसदी की तेजी रही। कुल शिपमेंट में इसका हिस्सा 22 फीसदी रहा, जो अब तक का सबसे अधिक है। इस साल भी प्रीमियम उत्पादों की मांग मूल्य वृद्धि को समर्थन देना जारी रखेगी। हालांकि, एंट्री-लेवल सेगमेंट पर दबाव बना रहेगा।

फोल्डेबल फोन में सैमसंग आगेल मूल्य के मामले में आईफोन कंपनी एपल आगे है, लेकिन फोल्डेबल स्मार्टफोन सेगमेंट में सैमसंग का दबदबा है। 2025 में वॉल्यूम में सैमसंग का 88 फीसदी हिस्सा रहा।

चमड़ा सस्ता हुआ, वुडलैंड का 5000 वाला जूता 3,000 में मिलेगा ?

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट 2026 के पिटारे से इस बार आम आदमी के लिए एक ऐसी राहत निकली है, जिसका सीधा कनेक्शन आपकी पदचापों से है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बजट में केवल बड़े बुनियादी ढांचों की ही बात नहीं की, बल्कि जूतों और चमड़े के सामानों पर टैक्स कटौती का बड़ा दांव खेलकर मिडिल क्लास के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी है। अब सवाल यह उठता है कि क्या आपके पसंदीदा वुडलैंड या अन्य ब्रांडेड जूते वाकई आपकी जेब के लिए हल्के होने वाले हैं? सरकार ने फुटवियर इंडस्ट्री को रफ्तार देने के लिए चमड़े और जूतों से जुड़े कच्चे माल पर कस्टम ड्यूटी (आयात शुल्क) को कम करने और नियमों को सरल बनाने का फैसला किया है। इस कदम का सीधा असर उत्पादन लागत पर पड़ेगा। अगर आप 5,000 रुपये वाले वुडलैंड जूते खरीदने की सोच रहे हैं, तो एक्सपर्ट्स का मानना है कि टैक्स में इस रियायत के बाद कीमतों में 5 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक की गिरावट देखी जा सकती है।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/एफ.एस., उत्तर रेलवे, अंबाला मंडल आईआरईपीएस वेबसाइट पर ई–नीलामी लीजिंग के माध्यम से अंबाला मंडल के अंतर्गत विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में ब्रेक के एस.एल.आर/एस.एल.आर.डी. डिब्बों में पार्सल स्पेस (4/3.9 टन) के लीज अनुबंध हेतु निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। निम्नलिखित विवरणानुसार निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

क्र0	नीलामी केटलाग सं0	नीलामी शुरू होने की दिनांक एवं समय	नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय
1.	UMB-SLR-03-2026 (03 lots)	11.02.2026/12:00	11.02.2026/12:50

क्र0	ट्रेन सं0	से – तक	कम्पार्टमेंट
1.	12232	CDG-LKO	FSLR-I
2.	19308	UHL-INDB	FSLR-I
3.	22456	KLK-SNSI	FSLR-I

ई–नीलामी में भाग लेने या ई–नीलामी प्रक्रिया से संबंधित किसी भी अन्य जानकारी के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर जाने की सलाह दी जाती है।

369/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

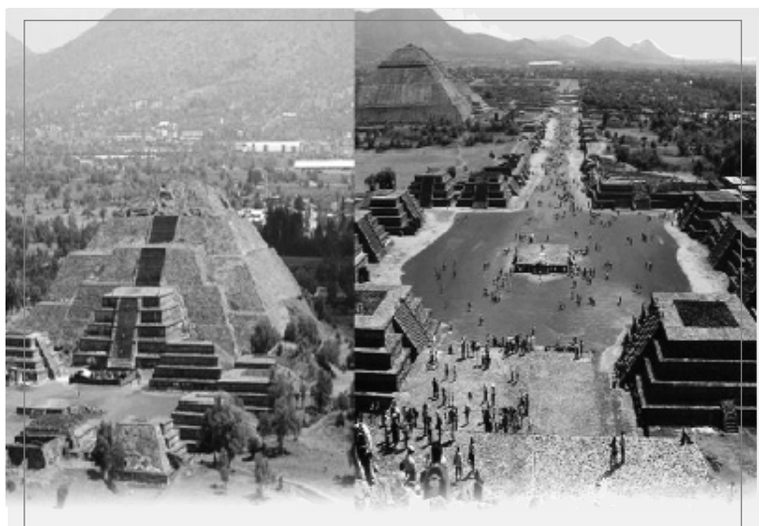

माया सभ्यता का भारत से संबंध

भारतीय संस्कृति व सभ्यता विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। मध्यप्रदेश के भीमबेटका में पाए गए 25 हजार वर्ष पुराने शैलचित्र, नर्मदा घाटी में की गई खुदाई तथा मेहरगढ़ के अलावा कुछ अन्य नृवंशीय एवं पुरातत्वीय प्रमाणों से यह सिद्ध हो चुका है कि भारत की भूमि आदिमानव की प्राचीनतम कर्मभूमि रही है। यहीं से मानव ने अन्य जगहों पर बसाहट करने व वैदिक धर्म की नींव रखी थी। माया सभ्यता मैक्सिको की एक महत्वपूर्ण सभ्यता थी। इस सभ्यता की शुरुआत 1500 ईस्वी पूर्व से मानी जाती है। 250 ईस्वी से 900 ईस्वी के बीच माया सभ्यता अपने चरम पर थी। इस सभ्यता में खगोल शास्त्र, गणित और कालचक्र को काफी महत्व दिया जाता था। मैक्सिको इस सभ्यता का गढ़ था। आज भी यहां इस सभ्यता के अनुयायी रहते हैं। अमेरिका की प्राचीन माया सभ्यता ग्वाटेमाला, मैक्सिको, होंडुरास तथा यूकाटन प्रायद्वीप में स्थापित थी। यह एक कृषि पर आधारित सभ्यता थी। यूं तो इस इलाके में ईसा से 10 हजार साल पहले से बसावट शुरू होने के प्रमाण मिले हैं और 1800 साल ईसा पूर्व से प्रशांत महासागर के तटीय इलाक़ों में गांव भी बसने शुरू हो चुके थे। लेकिन कुछ पुरातत्ववेत्ताओं का मानना है कि ईसा से कोई एक हजार साल पहले माया सभ्यता के लोगों ने आनुष्ठानिक इमारतें बनाना शुरू कर दिया था और 600 साल ईसा पूर्व तक बहुत से परिसर बना लिए थे। सन् 250 से 900 के बीच विशाल स्तर पर भवन निर्माण कार्य हुआ, शहर बसे। उनकी सबसे उल्लेखनीय इमारतें पिरामिड हैं, जो उन्होंने धार्मिक केंद्रों में बनाईं लेकिन फिर सन् 900 के बाद माया सभ्यता के इन नगरों का ह्रास होने लगा और नगर खाली हो गए।

माया सभ्यता का पंचांग 3114 ईसा पूर्व शुरू किया गया था। इस कैलेंडर में हर 394 वर्ष के बाद बाकतुन नाम के एक काल का अंत होता है। 21 दिसबंर, 2012 को उस कैलेंडर का 13वां बाकतुन खत्म हो जाएगा। हालांकि माया सभ्यता के बारे में कहा जाता है कि यह भी सिन्धु घाटी और मिस्र की सभ्यताओं की तरह सबसे रहस्यमयी सभ्यता है, जो अपने भीतर कई अनसुलझे रहस्य समेटे हुए है। अमेरिकन इतिहासकार मानते हैं? कि भारतीय आर्यों ने ही अमेरिका महाद्वीप पर सबसे पहले बस्तियां बनाई थीं। अमेरिका के रेड इंडियन वहां के आदि निवासी माने जाते हैं और हिन्दू संस्कृति वहां पर आज से हजारों साल पहले पहुंच गई थी। माना जाता है कि यह बसाहट महाभारतकाल में हुई थी। चिली, पेरू और बोलीविया में हिन्दू धर्म - अमेरिकन महाद्वीप के बोलीविया (वर्तमान में पेरू और चिली) में हिन्दुओं ने प्राचीनकाल में अपनी बस्तियां बनाईं और कृषि का भी विकास किया। यहां के प्राचीन मंदिरों के द्वार पर विरोचन, सूर्य द्वार, चन्द्र द्वार, नाग आदि सब कुछ हिन्दू धर्म समान हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक सेना ने नेटिव अमेरिकन की एक 45वीं मिलिट्री इन्फैंट्री डिवीजन का चिह्न एक पीले रंग का स्वास्तिक था। नाजियों की घटना के बाद इसे हटाकर उन्होंने गरूड़ का चिह्न अपनाया।

माया सभ्यता का जनक

मायासुर को दक्षिण अमेरिका की प्राचीन माया सभ्यता का जनक भी माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि जो जानकारियां और विलक्षण प्रतिभा माया दानव के पास थी, वही माया सभ्यता के लोगों के पास भी थी। कहते हैं कि अमेरिका के प्रचीन खंडहर उसी के द्वारा निर्मित हैं। अमेरिका में शिव, गणेश, नरसिंह आदि देवताओं की मूर्तियां तथा शिलालेख आदि का पाया जाने इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि प्रचीनकाल में अमेरिका में भारतीय लोगों का निवास था। इसके बारे में विस्तार से वर्णन आपको भिक्षु चमनलाल द्वारा लिखित पुस्तक हिन्दू अमेरिका में चित्रों सहित मिलेगा।

नार्वे के लॉन्गइयरबेन में जन्म व मृत्यु गैरकानूनी
गंभीर बीमार व्यक्ति को भेज देते हैं 2 हजार किमी दूर

दुनियाभर में कई अनोखे कानून हैं। आज हम बात करते हैं ऐसे ही एक कानून की। दरअसल नार्वे के लॉन्गइयरबेन शहर में मौत पर बैन लगा रखा है। जी हां, आपने सही पढ़ा। दरअसल नार्वे का लॉन्गइयरबेन इलाका बहुत ही ठंडा है। आमतौर पर विदेशों में किसी की मौत होने पर शवों को दफनाया जाता है। लेकिन यहां भारी बर्फ भी पड़ती है। इसलिए शवों को दफनाने के लिए जमीन खोदने में भी परेशानी आती है।

नावें के इस इलाके में अत्यधिक ठंड की वजह से दफनाए गए शव लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं। यहां तापमान -46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है और वहीं यहां सबसे गर्म दिन का तापमान - 3 से -7 डिग्री होता है। इसलिए शव में मौजूद कई वायरस भी ज्यों के त्यों बने रहते हैं। ऐसी स्थिति में लोग शवों की वजह से किसी तरह के वायरस के चपेट में नहीं आ जाएं। इसलिए यहां मरने पर बैन लगा दिया गया है। इस शहर में करीब 2 हजार लोग रहते हैं।

ठंड की वजह से दशकों तक नहीं सड़ती है बॉडी

दरअसल मरने पर बैन लगाने से मतलब यह है कि यहां पर किसी व्यक्ति को दफनाया नहीं जाता है। यहां तक कि ऐसे व्यक्ति जिनकी तबीयत बहुत खराब है और मृत्यु निकट हो, ऐसी स्थिति में मरीजों को यहां से 2 हजार किमी दूर भेज दिया जाता है। वहीं उनका इलाज करवाया जाता है और मृत्यु होने की स्थिति में वहीं दफन किया जाता है। यहां पर बच्चों के जन्म पर भी रोक लगाई गई है। महिलाएं इस शहर में बच्चों को जन्म नहीं दे सकतीं, इसलिए यहां बच्चों के जन्म के संभावित समय से एक महीने पहले उन्हें मुख्य भूमि पर भेज दिया जाता है। लॉन्गइयरबेन में पर्याप्त मेडिकल सुविधाएं भी नहीं हैं।

1950 में बना था यह कानून

1950 में नार्वे सरकार ने इस कानून को लागू कर दिया था। दरअसल 1950 में हुई रिसर्च में पाया गया था कि कब में दबे शव सड़ नहीं रहे हैं। इसके साथ ही शवों को बाहर निकालने पर उन पर इंफ्लुएंजा और स्पैनिश फ्लू आदि के वायरस भी जीवित अवस्था में पाए गए थे। साल 1918 में दफनाए गए कुछ बच्चों के शवों में भी 70 साल बाद तक वायरस जिंदा पाए गए थे। इसलिए यह कानून जरूरी हो गया। इस कानून के अलावा यहां बिल्लियां भी बैन है। एक व्यक्ति द्वारा हर महीने शराब खरीदने के लिए भी सीमा तय की गई है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं

था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है। धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

इंजीनियर-बुनकर पक्षी बया

हल्के पीले रंग का बया या बुनकर प्रजाति का यह नन्हा सा पक्षी, घास के छोटे-छोटे तिनको और पत्तियों को बुनकर लालटेन की तरह लटकता बेहद ही खुबसूरत घोंसले का निर्माण करता है इसलिए इसे बुनकर पक्षी और ट्रेलर बर्ड भी कहा जाता है, इसी कुशलता के कारण इन्हें पक्षियों का इंजीनियर कहा जाना तनिक भी गलत न होगा। बया प्रजाति के पक्षी पूरे भारतीय उपमहादीप और दक्षिण पूर्वी एशिया में देखने को मिलते है।

बया प्रजाति के पक्षी अधिकतर अपना घोंसला नहर, नदी और नालो के किनारों के आसपास पाई जाने वाली कंटीली झाड़ियो और पेड़ो में तैयार करते हैं।, इन झाड़ियो में एक साथ कई उल्टे लटकते सुंदर घोंसले देखने को मिलते है।

बया प्रजाति में आशियाना नर पक्षी के द्वारा तैयार किया जाता है और मादा बया इसका निरीक्षण कर इसे पसंद करती है यदि यह घोंसला उसे पसंद नहीं आता है तो नर पक्षी के द्वारा फिर से नए घोंसले का निर्माण करना होता है।

बया अपना घोंसला इस तरह से तैयार करती है जिससे कि वह अपने अन्डो और बच्चो को शत्रुओं, परभक्षियों और मौसमी प्रभावों से सुरक्षित रख सके घोसलों में तिनको की एक महीन परत सुरक्षा के लिए तैयार करती है।

ऐसा कहा जाता है की जब एक पक्षी भोजन या अन्य कार्य के लिए बाहर जाता है तो दूसरा पक्षी वही पास में बैठकर चौकीदार की तरह घर की सुरक्षा की जिम्मेदारी सम्हालता है, यदि कोई खतरे का आभास होता है तो यह ची-ची की आवाज करके सभी पक्षियों को सचेत कर देता है।

बया पक्षी के घोसलो में दो कक्ष होते हैं जिसमे एक अंडा और दूसरा शयन कक्ष होता है, घोंसले का दरवाजा नीचे की तरफ खुलता है जिसमे एक अथवा कभी-कभी दो दरवाजे भी होते हैं।

सामाजिक पक्षी होने के कारण इस प्रजाति में अनेको घोंसले एक साथ पेड और कंटीली झाड़ियो पर देखने को मिलेगे। बया पक्षी अकेला अपना घोसला नहीं बनाते अपितु एक साथ अनेको घोसलों का निर्माण समूह में करते है और एक बस्ती की तरह रहने के स्थान को आबाद करते है। बया पक्षी को अपना घोंसला तैयार करने में 28 दिन का समय लगता है। बया पक्षी द्वारा घोंसला छोड़ने के पश्चात अन्य पक्षियों द्वारा इनके घोसलों को उपयोग में ले लिया जाता है।

सामाजिक परिंदा

बया एक सामाजिक परिंदा है जो गोरैया और इन्सान की बस्तियों की तरह अपने घरो का निर्माण बड़ी ही कुशलता से करते है। यह पक्षी कीट पतंगों और मोटे अनाजो को खाता है और झुण्ड में हमें यह खेत, नहर नदी नालो के आसपास दिखाई देते है, यदि हम नहर के आसपास लगे कंटीली झाड़ियो पर नजर डालते तो हमें कई सुंदर घोंसले और इन नन्हे परिंदों की ची-ची करती आवाज हमें रुकने के लिए मजबूर करती है। बया का प्रजनन काल मानसून का समय होता है इसी समय नर बया पक्षी के द्वारा घोसलों का निर्माण किया जाता है और मादा बया पक्षी द्वारा इनका चयन किया जाता है, मधुर आवाज निकालकर और पंखो को हिलाकर नर पक्षी द्वारा मादा को आकर्षित और रिझाने का कार्य किया जाता है। एक समय था जब इन पक्षियों की चहचाहट बहुत अधिक सुनाई देती थी और इनके दीदार खेत खलिहानों और नदी नालो के पास आसानी से हो जाते थे लेकिन अब बहुत ही कम देखने को मिलते है, आज यह पक्षी संकट की घड़ी से गुजर रहा है क्योकि इन्हें रहने के लिए अब सुरक्षित स्थानों की कमी हो गई है और इनके घोंसले सिर्फ सुन्दरता के लिए घरो में लटकाए जा रहे है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।

जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नहीं बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।

श्रीलंका के वर्ल्ड कप स्क्वॉड में कामिंडु मेंडिस की वापसी

- इंजर्ड ईशान मलिंगा भी शामिल, धनंजय डी सिल्वा को जगह नहीं; दासुन शनाका कप्तान

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए फाइनल स्क्वॉड रिलीज कर दिया है। इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 खेलने वाले धनंजय डी सिल्वा को बाहर कर कामिंडु मेंडिस की वापसी हो गई। इंजर्ड पेसर ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर दासुन शनाका टीम की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

आउट ऑफ फॉर्म हैं कामिंडु- कामिंडु मेंडिस इंग्लैंड और पाकिस्तान के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज का हिस्सा नहीं थे। वे 2025 में 19.87 के औसत से 159 रन ही बना सके। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 130.32 का ही रहा। वे 12 मुकाबलों में महज 6 ओवर ही बॉलिंग भी कर सके। कामिंडु की खासियत यह है कि वे दोनों हाथों से स्पिन गेंदबाजी कर लेते हैं।

प्लेइंग-11 में आ सकते हैं वेल्लालागे- धनंजय डी सिल्वा को बाहर करने के बाद टीम अब 23 साल के लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर दुनिथ वेल्लालागे को भी प्लेइंग-11 में शामिल कर सकती है। हालांकि, वे श्रीलंका के लिए 6 ही टी-20 खेल सके हैं। वे वनडे टीम में जरूर रेगुलर रहते हैं, लेकिन टी-20 में अपनी जगह फिक्स नहीं कर पाए। वेल्लालागे को फ्रेंचाइजी लीग में जरूर टी-20 खेलने का अनुभव है। उन्होंने एमर्जिंग एशिया कप में श्रीलंका-ए की कप्तानी भी की थी।

पवन रत्नायके को भी जगह- इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में शतक लगाने वाले बैटर पवन रत्नायके को भी वर्ल्ड कप टीम में जगह मिल गई। वे 4 टी-20 में 45 रन ही बना पाए हैं। हालांकि, उनका स्ट्राइक रेट 145 से ज्यादा का रहा। वहीं तेज गेंदबाज प्रमोद मदुषन को बाहर कर दिया।

8 फरवरी को पहला मैच खेलेगी श्रीलंका- श्रीलंका ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान और जिम्बाब्वे के साथ है। टीम ग्रुप स्टेज में अपने सभी मैच होम ग्राउंड पर ही खेलेगी। श्रीलंका 8 फरवरी को आयरलैंड से पहला मैच खेलेगी। टीम 12 फरवरी को ओमान, 16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और 19 फरवरी को जिम्बाब्वे से भिड़ने वाली है। 2 मुकाबले कोलंबो और 2 पल्लेकेले में खेले जाएंगे।

श्रीलंका का स्क्वॉड

दासुन शनाका (कप्तान), पाथुम निसांका, कमिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, चरिथ असलंका, कामिंडु मेंडिस, जनिथ लियानागे, पवन रत्नायके, दुनिथ वेल्लालागे, वनिंदू हसरंगा, महीश तीक्षणा, दुष्मंथा चमीरा, मथीश पथिराना और ईशान मलिंगा।

टी-20 वर्ल्डकप का कैप्टन्स डे दो शहरों में होगा

- मुंबई में 12 और कोलंबो में 8 टीमों के कप्तान शामिल होंगे, टूर्नामेंट 7 फरवरी से

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। इससे पहले, 5 फरवरी को आईसीसी ने कैप्टन्स डे रखा। कैप्टन्स डे दो शहरों मुंबई (भारत) और कोलंबो (श्रीलंका) में होगा। कैप्टन्स डे एक मीडिया कार्यक्रम है, जहां कप्तान मीडिया से बात करेंगे।

मुंबई में 12 टीमों के कप्तान आएंगे- मुंबई में होने वाले कैप्टन्स डे मीट में कुल 12 टीमों के कप्तान हिस्सा लेंगे। यह कार्यक्रम 5 फरवरी को आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारत, अफगानिस्तान, कनाडा, इंग्लैंड, इटली, नामीबिया, नेपाल, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज के कप्तान शामिल होंगे। सभी कप्तानों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है, जो मीडिया से बातचीत के दौरान टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे।

ग्रुप-1 की प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 3:00 बजे और ग्रुप-2 की प्रेस कॉन्फ्रेंस 3:30 बजे शुरू होगी। यह

कैप्टन्स डे मीट बीसीसीआई ऑफिस वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई) में आयोजित की जाएगी।

कोलंबो में 8 देशों के कप्तानों की कैप्टन्स डे मीट- 5 फरवरी को कोलंबो में भी कैप्टन्स डे का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, नीदरलैंड, ओमान, पाकिस्तान, यूएई और जिम्बाब्वे की टीमों के कप्तान शामिल होंगे। यहां भी सभी कप्तानों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है, जो मीडिया से बातचीत करते हुए टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। ग्रुपबी-1 की प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 12:00 बजे, जबकि ग्रुप-2 की प्रेस कॉन्फ्रेंस 12:30 बजे शुरू होगी। यह कार्यक्रम कोलंबो के मर्केंटाइल क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) में आयोजित किया जाएगा।

भारत के 5, श्रीलंका के 3 वेन्यू पर टूर्नामेंट- भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। वहीं श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी में मुकाबले होंगे। कोलंबो में आर प्रेमदासा और सिनहले स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम पर मैच खेले जाएंगे। टीम इंडिया मुंबई, दिल्ली, कोलंबो और अहमदाबाद में ग्रुप स्टेज के मैच खेलेगी।

वार्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हराया

- विश्व कप से पहले तिलक वर्मा की दमदार वापसी

मुंबई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सोमवार को भारत ए का अमेरिका से नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में सामना हुआ। इस मैच में भारतीय ए टीम ने 38 रनों से शानदार जीत दर्ज की।

टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के आगाज में अब चार दिन का समय शेष है। सोमवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए वॉर्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हरा दिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय ए टीम ने नारायण जगदीशन के शतक और आयुष बदोनी के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए। जवाब में अमेरिका की टीम 19.4 ओवर में 10 विकेट पर 200 रन ही बना सकी।

भारत के लिए रवि बिश्नोई ने तीन विकेट हासिल किए जबकि खलील अहमद और नमन धीर को एक-एक सफलता प्राप्त हुई।

तिलक की दमदार वापसी

निचले पेट की सर्जरी के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौटे तिलक वर्मा ने अपनी फिटनेस को लेकर टीम प्रबंधन की सभी चिंताओं को दूर कर दिया। तीन सप्ताह का रिटर्न टू प्ले प्रोटोकॉल पूरा करने के बाद मैदान पर उतरे तिलक न सिर्फ बल्लेबाजी में सहज नजर आए, बल्कि फील्डिंग और गेंदबाजी में भी पूरी तरह फिट दिखे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 24 गेंदों पर 38 रन की पारी खेली, जिसमें उन्होंने हरमीत सिंह और नॉस्थश केनजीगे की स्पिन जोड़ी के खिलाफ दो शानदार छक्के लगाए। खास बात यह रही कि उनकी बल्लेबाजी के दौरान किसी भी तरह की असहजता नजर नहीं आई।

जगदीशन का शतक, बदोनी का नाबाद पचासा

इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए की टीम ने आक्रामक अंदाज में रन बटोरे। तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने 55 गेंदों पर 104 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। कप्तान आयुष बदोनी ने भी अंत के ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों पर 60 रन बनाए और स्कोर को 230 के पार पहुंचाया। भारत ए ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 238 रन बनाए।

भारतीय गेंदबाजों के आगे अमेरिका ने टेके घुटने

लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिका की टीम ने भी संघर्ष जरूर किया, लेकिन बड़े स्कोर के दबाव में अंततः 19.4 ओवर में 200 रन पर ऑलआउट हो गई। संजय कृष्णमूर्ति अमेरिका की ओर से सबसे प्रभावशाली बल्लेबाज रहे, जिन्होंने मात्र 18 गेंदों पर 41 रन बनाए। हालांकि उनकी पारी टीम को जीत के करीब नहीं ले जा सकी। भारत ए की गेंदबाजी में रवि बिश्नोई सबसे सफल रहे। लेग स्पिनर बिश्नोई ने तीन विकेट झटके और अमेरिका की रनगति पर लगाम लगाई। खलील अहमद और नमन धीर को एक-एक विकेट मिला। तेज गेंदबाज मयंक यादव लंबे समय बाद वापसी के चलते थोड़े जंग खाए नजर आए, लेकिन उन्होंने अपनी रफ्तार से प्रभावित किया।

ओलिंपियन पहलवान ने लग्न में सिर्फ चांदी का सिक्का लिया

दोस्त के पिता की बेटी संग की शादी

झज्जर (एजेंसी)। झज्जर के रहने वाले ओलिंपियन पहलवान दीपक पूनिया आज 3 फरवरी को विवाह के बंधन में बंध गए। झज्जर शहर के धनखड़ फार्म हाउस में लग्न टीके (तिलक) का कार्यक्रम हुआ। दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि लंच में 500 लीटर देसी घी के अलग-अलग पकवान तैयार किए गए। लग्न में दीपक ने सिर्फ एक रुपए का चांदी का सिक्का लिया। दीपक पूनिया सेना में सूबेदार हैं। वह अपने पिता के दोस्त की बेटी शिवानी के साथ सात फेरे लेंगे। दीपक और शिवानी की 28 सितंबर 2025 को सगाई हुई थी। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी लोग ही शामिल हुए। शिवानी संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रही हैं, उनका आईएएस अफसर बनने का सपना है।

शिवानी के पिता प्रॉपर्टी डीलर, अखाड़े में हुई जान-पहचान- दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि शिवानी के पिता अनूप सिंह प्रॉपर्टी का काम करते हैं। जब दीपक अखाड़े में प्रैक्टिस करने जाता था, वहीं अनूप सिंह से मुलाकात हुई। कई बार मुलाकातें हुई और 2020 में दोस्ती हो गई। जब बेटे के लिए रिश्ते आने लगे तो मैंने अनूप से कहा कि अपना बेटा है, आपकी बेटी है, क्यों न दोस्ती को रिश्तेदारी में बदल लें। अनूप ने तुरंत हां कर दी।

शिवानी बोलीं

दोनों परिवारों की रजामंदी से हुआ रिश्ता

रिंग सेरेमनी के बाद एक इंटरव्यू में शिवानी ने बताया था कि मेरा खेलों से कोई नाता नहीं रहा है। मैं शुरू से ही पढ़ाई में ध्यान रखती आई हूं। अब मेरा लक्ष्य आईएएस अफसर बनने का है। इसके लिए सेल्फ स्टडी कर रही हूं। मेरे पापा दीपक के पिता के साथ 5-6 साल से साथ में काम कर रहे हैं। दोनों परिवारों की रजामंदी से यह रिश्ता हुआ।

- ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतते ही अल्काराज का बड़ा फैसला

रॉटरडैम ओपन से हटे

रॉटरडैम (एजेंसी)। नए ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने फरवरी में होने वाले एबीएन एमरो रॉटरडैम ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट आयोजकों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

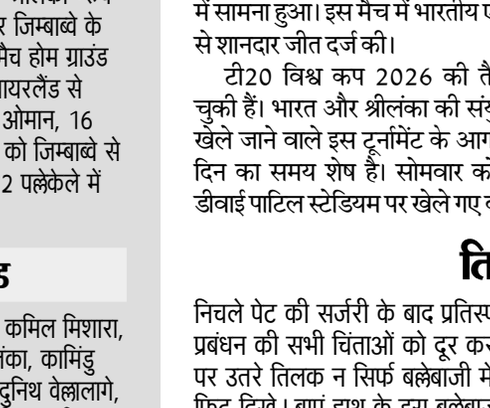

खिताब बचाने नहीं लौटेंगे अल्काराज- स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी अल्काराज पिछले सीजन में इस एटीपी 500 इनडोर हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के चैंपियन रहे थे। हालांकि, एटीपी वेबसाइट के मुताबिक 9 से 16 फरवरी तक होने वाले इस टूर्नामेंट में वह अपने खिताब की रक्षा नहीं करेंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत के बाद लिया फैसला- 22 वर्षीय अल्काराज ने यह फैसला उस ऐतिहासिक उपलब्धि के ठीक एक दिन बाद लिया, जब उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया। रविवार को खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में उन्होंने नोवाक जोकोविच को चार सेट में हराकर मेलबर्न में अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था।

जश्न में भी दिखे अल्काराज- सोमवार को अल्काराज ने मेलबर्न के रॉयल एग्ज़िबिशन बिल्डिंग में आयोजित एक सेलिब्रेशन फोटोशूट में भी हिस्सा लिया, जहां ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत का जश्न मनाया गया।

भारत को मिली बड़ी जिम्मेदारी

2027 एशियन शूटिंग चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को शूटिंग खेल में एक और बड़ी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी मिली है। एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन (एएससी)घोषणा की है कि भारत 2027 एशियन राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा, जिसमें लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए 8 कोटा स्थान दांव पर होंगे।

दिसंबर 2027 में होगा आयोजन- यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 1 से 10 दिसंबर 2027 तक डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किया जाएगा।

एलए ओलंपिक 2028 के लिए अहम मौका

एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस चैंपियनशिप का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि इसमें एशिया महाद्वीप के लिए 8 ओलंपिक कोटा स्थान आवंटित किए जाएंगे। ये कोटा आमतौर पर राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों को दिए जाते हैं, जबकि ओलंपिक रैंकिंग या यूनिवर्सैलिटी कोटा खिलाड़ियों के नाम पर आवंटित होते हैं।

आज सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से टक्कर

19 वर्ल्ड कप में अजेय भारत की नजर छठे खिताब पर

हरारे (एजेंसी)। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अजेय भारतीय टीम बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की टीम इस मुकाबले में प्रबल दावेदार मानी जा रही है और उसकी नजरें रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने की दिशा में एक और कदम बढ़ाने पर होंगी।

भारत -19 वर्ल्ड कप के इतिहास की सबसे सफल टीम है, जिसने 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में खिताब जीता है। अब टीम बुधवार को छठी बार चैंपियन बनने की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी।

- **अब तक अजेय भारत का दबदबा-** भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अब तक खेले गए अपने सभी पांच मुकाबले काफी सहजता से जीते हैं। सुपर सिक्स चरण में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 58 रन से हराना टीम के आत्मविश्वास को और मजबूत करता है।
- **अफगानिस्तान का सफर भी प्रभावशाली-** अफगानिस्तान ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने पांच में से चार मैच जीते, जबकि उसकी इकलौती हार श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट से हुई। हालांकि मौजूदा फॉर्म और टीम संयोजन को देखते हुए नॉकआउट मुकाबले में भारत का पलड़ा भारी नजर आता है।
- **अभिज्ञान, सूर्यवंशी भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज-** विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू भारत के लिए अब तक

सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 5 मैचों में 199 रन बनाए हैं, जिसमें 2 अर्धशतक शामिल हैं। ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने भी शानदार फॉर्म दिखाई है। उन्होंने 5 मैचों में 196 रन बनाए हैं और 2 अर्धशतक जड़े हैं। हालांकि टीम प्रबंधन उनसे नॉकआउट मुकाबले में अर्धशतक को शतक में बदलने की उम्मीद करेगा।

- **विहान मल्होत्रा का ऑलराउंड असर-** ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा भारत के लिए एक और अहम खिलाड़ी हैं। उन्होंने 5 मैचों में 172 रन बनाए हैं और टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकमात्र शतक (109 नाबाद) जिम्बाब्वे के खिलाफ जड़ा था।
- **कप्तान आयुष म्हात्रे पर दोहरी जिम्मेदारी-** कप्तान आयुष म्हात्रे ने गेंदबाजी में निरंतरता दिखाई है। उन्होंने 5 मैचों में 6 विकेट लिए हैं, हालांकि बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश बनी हुई है।

न्यूज डायरी

नगर निकाय चुनावों में फिर लहराएगी भाजपा की जीत की पताका, देशभर में दौड़ रही विकास रेल: अनिल विज

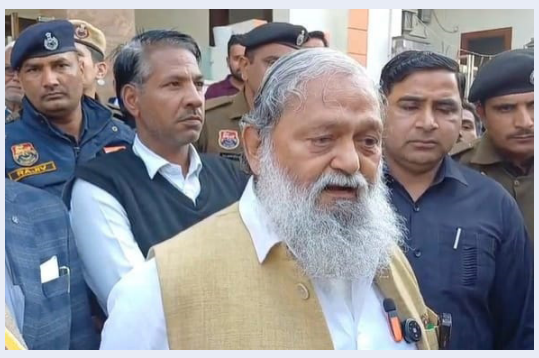

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि राज्य में होने वाले नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर प्रचंड जीत दर्ज कर विजयी पताका फहराएगी। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी की "विकास रेल" तेज गति से चल रही है। श्री विज ने कहा कि भाजपा ने हरियाणा में विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल की, इसके बाद दिल्ली और बिहार में भी जनता का विश्वास प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में बीएमसी चुनावों में भी पार्टी को सफलता मिली है और अब पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की सरकार बनेगी।

ऊर्जा मंत्री आज हिसार में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब देश की जनता भली-भांति समझ चुकी है कि भारतीय जनता पार्टी ही देश का समग्र विकास कर सकती है और आमजन के उत्थान के लिए ईमानदारी से कार्य कर रही है।

हरियाणा में पेंशन बंद किए जाने को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री विज ने स्पष्ट किया कि किसी भी पात्र व्यक्ति की पेंशन नाजायज रूप से बंद नहीं की गई है। यदि किसी की पेंशन रोकी गई है और उसे आपत्ति है तो वह संबंधित विभाग में शिकायत दर्ज कर अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर सकता है। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति की आय निर्धारित सीमा से अधिक हो जाती है, तो आय से जुड़ी योजना होने के कारण पेंशन स्वतः बंद हो जाती है। विपक्ष द्वारा इस विषय को लेकर आंदोलन किए जाने पर उन्होंने कहा कि आंदोलन करना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है।

विपक्ष के नेता श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा केंद्रीय बजट में किसानों को कुछ न दिए जाने के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री विज ने कहा कि केंद्रीय बजट में किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि श्री हुड्डा न तो बजट को ध्यान से देखते हैं और न ही सुनते हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि आजकल श्री हुड्डा परेशान हैं क्योंकि उनकी पार्टी में उनकी कोई पूछ नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें बजट के प्रावधानों को समझना चाहिए, जिसमें किसानों के सहयोग के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित योजनाएं भी शामिल हैं।

हरियाणा में जल्द लगेंगे स्मार्ट बिजली मीटर, उपभोक्ताओं को मिलेगा प्रीपेड-पोस्टपेड का विकल्प : ऊर्जा मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेशभर में चरणबद्ध तरीके से सभी पुराने बिजली मीटर बदले जाएंगे और उनकी जगह आधुनिक स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जैसे मोबाइल सेवाओं में प्रीपेड और पोस्टपेड विकल्प उपलब्ध होते हैं, उसी तर्ज पर स्मार्ट मीटर व्यवस्था भी लागू की जाएगी, जिससे उपभोक्ता अपनी सुविधा अनुसार प्रीपेड अथवा पोस्टपेड प्रणाली का चयन कर सकेंगे। इससे न केवल बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार होगा, बल्कि उपभोक्ताओं को भी पारदर्शी और सुविधाजनक सेवा मिलेगी।

श्री अनिल विज आज हिसार में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि भूमिगत बिजली तारें बिछाने की प्रक्रिया गुरुग्राम और फरीदाबाद में प्रारंभ कर दी गई है। परिस्थितियों के अनुसार अन्य क्षेत्रों में भी अंडरग्राउंड केबल डाली जाएंगी, जिससे खंभे गिरने या ऊपर से तार टूटने जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी और बिजली आपूर्ति अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनेगी।

ऊर्जा विभाग में किए जा रहे सुधारों के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री विज ने कहा कि विभाग में एक सुदृढ़ और जवाबदेह प्रणाली विकसित की गई है, जिसके परिणामस्वरूप गर्मियों के दौरान बिजली कटौती की स्थिति काफी हद तक नियंत्रित रही है। उन्होंने बताया कि सभी अधीक्षण अभियंताओं (एसई) को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रतिदिन सुबह 11 बजे तक यह जानकारी दें कि उनके क्षेत्र में यदि कहीं बिजली कट लगा है तो उसका कारण, अवधि और परिस्थितियां क्या रही हैं। उन्होंने कहा कि लगभग पूरे प्रदेश में बिजली आपूर्ति संतोषजनक रही है और केवल 6 अधीक्षण अभियंताओं से ही स्पष्टीकरण मांगा गया है।

श्री विज ने बताया कि बिजली की मांग के अनुरूप सभी ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने (अपग्रेडेशन) का कार्य शुरू कर दिया गया है। साथ ही, बरसात के दौरान जलभराव से होने वाली अनावश्यक बिजली कटौती को रोकने के लिए निचले स्तर पर बने सब-स्टेशनों को ऊंचा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि हिसार के खेदड़ में स्थापित की जा रही नई थर्मल यूनिट के लिए कोल लिंकेज की स्वीकृति हरियाणा को प्राप्त हो चुकी है, जो प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

पंचकूला में आयुष्मान भारत/चिरायु सर्जिकल कैंप सप्ताह का शुभारंभ

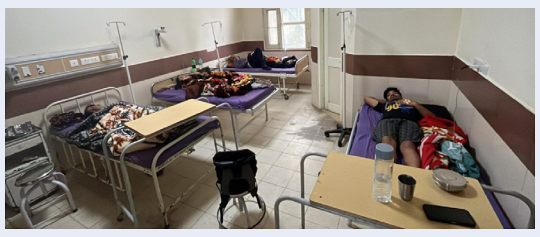

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। स्वास्थ्य विभाग, पंचकूला द्वारा आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 2 फरवरी से 7 फरवरी 2026 तक जिले में "आयुष्मान भारत / चिरायु सर्जिकल कैंप सप्ताह" का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सिविल अस्पताल, सेक्टर-6, में पात्र लाभार्थियों के लिए निःशुल्क एवं कैशलेस सर्जरी की विशेष व्यवस्था की गई है।

सिविल सर्जन डॉ मुक्ता कुमार ने बताया की उक्त उद्देश्य की पूर्ति हेतु सिविल अस्पताल, सेक्टर-6, पंचकूला में इस सर्जिकल कैंप का विधिवत आयोजन किया गया है। अस्पताल प्रशासन, विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ तथा आयुष्मान प्रबंधन टीम द्वारा कैंप के दौरान पूर्ण समन्वय एवं तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया की कैंप के प्रथम दिन 2 फरवरी को विभिन्न विभागों द्वारा सर्जरी की गई जिसमे 6 जनरल सर्जरी 3 लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी ,

2 ओपन शल्य क्रियाएँ , 2 अन्य प्रक्रियाएँ, 2 ईएनटी सर्जरी, 2 नेत्र सर्जरी, 2 ऑर्थोपेडिक सर्जरी और

3 स्त्री रोग सर्जरी विभाग शामिल है ।

इसी प्रकार कैंप के दूसरे दिन आज तीन फरवरी को 7 जनरल सर्जरी , 2 लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी , 5 अन्य प्रक्रियाएँ, 2 ईएनटी सर्जरी, 5 नेत्र सर्जरी, 1 स्त्री रोग सर्जरी और 1 ऑर्थोपेडिक सर्जरी की गई । सभी सर्जरी आयुष्मान भारत/चिरायु योजना के अंतर्गत निःशुल्क एवं कैशलेस रूप से संपन्न की गईं।

सूरजकुंड मेले में कैदियों के हुनर की सशक्त प्रस्तुति

हिन्द जनपथ
फरीदाबाद(ब्यूरो)। जिन हाथों ने कभी अपराध किया, आज वही हाथ सृजन के औज़ार गढ़ रहे हैं"— यह पंक्ति 39वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड क्राफ्ट मेले में हरियाणा कारागार विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल पर पूरी तरह साकार होती दिखाई दे रही है। यह स्टॉल न केवल हस्तशिल्प उत्पादों की वजह से, बल्कि अपने पीछे छिपी सुधार, पुनर्वास और परिवर्तन की प्रेरक कहानी के कारण भी लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। हरियाणा सरकार बंदियों को अपराध की दुनिया से बाहर निकालकर सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन की ओर ले जाने के उद्देश्य से कारागारों में व्यापक सुधारात्मक एवं पुनर्वास कार्यक्रम संचालित कर रही है। इन्हीं प्रयासों के तहत, आलोक मित्तल, महानिदेशक कारागार, हरियाणा के कुशल नेतृत्व एवं सतत मार्गदर्शन में प्रदेश की जेलों में बंद कैदियों के लिए कौशल विकास आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रभावी रूप से लागू किए जा रहे हैं।

कौशल से स्वावलंबन की राह

जेल प्रशासन द्वारा बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कारपेंट्री, पेंटिंग, बेकरी, कढ़ाई, सिलाई, एलोवेरा से निर्मित उत्पाद, फर्नीचर निर्माण एवं अन्य हस्तशिल्प कार्यों का नियमित और व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से अनेक बंदी न केवल दक्ष कारीगर बने हैं, बल्कि उनके भीतर आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का भी विकास हुआ है।

110 से अधिक उत्पाद, किफायती दरों पर

सूरजकुंड मेले में हरियाणा की विभिन्न जेलों के बंदियों द्वारा तैयार किए गए लगभग 110 प्रकार के फर्नीचर एवं घरेलू उपयोग की वस्तुएँ प्रदर्शनी और बिक्री के लिए उपलब्ध कराई गई हैं। स्टॉल पर 30 से लेकर 45,000 तक की वस्तुएँ रखी गई हैं, जिन्हें उनकी उच्च गुणवत्ता, टिकाऊपन और उचित मूल्य के कारण लोगों से अत्यधिक सराहना मिल रही है। दर्शक यह देखकर विशेष रूप से प्रभावित हो रहे हैं कि जेल में प्राप्त प्रशिक्षण के माध्यम से कभी भटके हुए हाथ आज रचनात्मकता और परिश्रम से ऐसे उत्पाद तैयार कर रहे हैं, जो खुले बाज़ार में भी प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता रखते हैं।

18 जेलों की सहभागिता

हरियाणा कारागार विभाग की ओर से इन उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री की जिम्मेदारी जिला कारागार फरीदाबाद को सौंपी गई है। प्रदेश की लगभग 18 जेलों से बंदियों द्वारा निर्मित उत्पाद इस अंतरराष्ट्रीय मेले में प्रदर्शित किए गए हैं, जो राज्य की सुधारात्मक कारागार नीति की व्यापकता और प्रभावशीलता को दर्शाते हैं।

सुधार नहीं, पुनर्निर्माण की पहल- महानिदेशक कारागार

आलोक मित्तल, महानिदेशक कारागार, हरियाणा ने कहा कि यह पहल केवल उत्पाद बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संदेश देती है कि यदि अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो हर व्यक्ति परिवर्तन की राह पर आगे बढ़ सकता है। हरियाणा कारागार विभाग बंद कैदियों को रोज़गारोन्मुखी कौशल, आत्मसम्मान और सामाजिक स्वीकार्यता प्रदान कर उन्हें सजा के बाद समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में सराहनीय भूमिका निभा रहा है। इस प्रकार, सूरजकुंड क्राफ्ट मेले में हरियाणा कारागार विभाग का यह प्रयास न केवल मेले की शोभा बढ़ा रहा है, बल्कि समाज के सामने मानवीय सुधार, पुनर्वास और विश्वास की एक सशक्त मिसाल भी प्रस्तुत कर रहा है।

पंचकूला को स्वच्छ और मॉडल सिटी बनाने की दिशा में नगर निगम के ठोस कदम

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। नगर निगम पंचकूला द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं मॉडल सिटी बनाने की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त श्री विनय कुमार ने नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण को सशक्त करते हुए अलीपुर स्थित एमआरएफ सेंटर (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी), झूरीवाला ट्रांसफर स्टेशन (डंपिंग ग्राउंड) तथा सेक्टर-26 स्थित एस्पिरेशनल टॉयलेट का फील्ड निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

एमआरएफ सेंटर तक पहुंच मार्ग और ट्रांसफर स्टेशन स्थानांतरण में तेजी के आदेश

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अलीपुर एमआरएफ सेंटर की वर्तमान स्थिति, निर्माण एवं उपयोग की प्रगति तथा आसपास की बुनियादी सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने एमआरएफ सेंटर तक पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही, झूरीवाला ट्रांसफर स्टेशन को अलीपुर एमआरएफ सेंटर में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के आदेश दिए, जिससे शहर के ठोस कचरा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि झूरीवाला क्षेत्र से खुले कचरे की समस्या समाप्त होने से स्वच्छता अभियान को मजबूती मिलेगी। श्री विनय कुमार ने इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने पर जोर देते हुए कहा कि अलीपुर एमआरएफ सेंटर पंचकूला के ठोस कचरा प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आधुनिक सार्वजनिक शौचालय शीघ्र जनता को समर्पित करने के निर्देश

इसके पश्चात नगर निगम आयुक्त ने सेक्टर-26 स्थित एस्पिरेशनल टॉयलेट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता, प्रगति, सोलर पावर, स्वच्छता व्यवस्था एवं दिव्यांग-अनुकूल सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित ठेकेदारों और अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य को शीघ्र पूर्ण कर यह आधुनिक सार्वजनिक शौचालय आम जनता के लिए जल्द से जल्द उपलब्ध कराया जाए।

सनावर सक्सेस समिट 2026: एलुमनाई मेंटरशिप 7 फरवरी को

सनावर सक्सेस समिट स्कूल की मशहूर 'कभी हार मत मानो' भावना से प्रेरित मेंटरशिप लेकर आया है

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। द लॉरेंस स्कूल, सनावर, जो दुनिया के सबसे पुराने को-एजुकेशनल बोर्डिंग स्कूलों में से एक है, उसकी एलुमनाई एसोसिएशन, द ओल्ड सनावरियन सोसाइटी (OSS), शनिवार, 07 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में पहले सनावर सक्सेस समिट का आयोजन कर रही है।

यह समिट युवा ग्रेजुएट्स के लिए एक बहुत ही सही समय पर आया है। जॉब मार्केट में कॉम्पिटिशन बढ़ने, एंट्री-लेवल रोल कम होने और बढ़ती महंगाई के कारण शुरुआती करियर वाले प्रोफेशनल्स पर दबाव पड़ने के साथ, OSS अपने जाने-माने एलुमनाई और युवा सनावरियन समुदाय के बीच पुल को मज़बूत करने के लिए आगे बढ़ रहा है। समिट का मुख्य लक्ष्य सफल ओल्ड सनावरियन को एक साथ लाना है जो अपने करियर के रास्ते, अनुभवों और इंडस्ट्री की जानकारी शेयर करेंगे, और आज के अनिश्चित प्रोफेशनल माहौल में स्टूडेंट्स और हाल ही में ग्रेजुएट हुए लोगों को बहुत ज़रूरी मेंटरशिप और दिशा देंगे।

जयदीप चंदेल, VP OSS ने कहा कि हम एक बार फिर सनावर सक्सेस समिट की मेज़बानी करके उत्साहित हैं, एक ऐसी जगह बना रहे हैं जहाँ प्रेरणा और काम एक साथ मिलते हैं। उन्होंने कहा कि यह समिट सिर्फ़ एक इवेंट से कहीं ज़्यादा है। यह कल के लीडर्स को तैयार करने और हमारी साझा विरासत का सम्मान करने की एक प्रतिबद्धता है।

जयदीप चंदेल ने आगे कहा कि इन चुनौतियों को पहचानते हुए, और यह सुनिश्चित करने के लिए कि मदद उन लोगों तक पहुँचे, जिन्हें इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है। OSS ने 2015 से 2025 बैच के सनावरियन के लिए समिट में शामिल होना मुफ़्त कर दिया है, जबकि अन्य एलुमनाई के लिए मामूली एंट्री फ़ीस लागू होगी। यह सोच-समझकर उठाया गया कदम सोसाइटी की पहुँच के प्रति प्रतिबद्धता और इस विश्वास को दर्शाता है कि एक अस्थिर आर्थिक दौर में युवाओं के लिए मार्गदर्शन, नेटवर्किंग और अनुभव कभी भी पहुँच से बाहर नहीं होना चाहिए।

सनावर सक्सेस समिट सिर्फ़ एक कॉन्फ्रेंस से कहीं ज़्यादा है; यह एक ऐसा मंच है जो द लॉरेंस स्कूल, सनावर के शाश्वत मूल्यों - अनुशासन, ईमानदारी, लचीलापन और 'कभी हार मत मानो' की भावना, जो स्कूल का आदर्श वाक्य है, का जश्न मनाता है। इसमें शामिल होने वाले लोग विचार-मंथन करने वाली पैनल चर्चाओं, मुख्य भाषणों और नेटवर्किंग सेशन में हिस्सा लेंगे, जिनका मकसद सनावर समुदाय के भीतर सहयोग और विकास को बढ़ावा देना है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-1) ने आज रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान, हिम परिसर, सैक्टर 37, चंडीगढ़ में वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष श्री अशोक कुमार सरोहा, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, उत्तर-पश्चिम क्षेत्र, चंडीगढ़ ने की।

बैठक में केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग की समीक्षा की गई और वर्ष 2025-26 के लक्ष्यों पर विचार-विमर्श किया गया। समिति की वार्षिक पत्रिका 'शिवालिका चंडीगढ़' के 26 वें अंक का विमोचन भी किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि हिंदी के प्रयोग से ही देश की मौलिक सोच और रचनात्मक अभिव्यक्ति संभव है। हिंदी आज सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और मेडिकल के क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि हमें हिंदी को और अधिक बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना होगा। हिंदी के प्रयोग से हम न केवल अपनी संस्कृति को बढ़ावा दे सकते हैं, बल्कि देश की एकता और अखंडता को भी मजबूत कर सकते हैं। हमें हिंदी को रोजमर्रा की जिंदगी में अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नरकास समिति के प्रयासों से चंडीगढ़ के कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग में निरंतर वृद्धि हुई है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. माधव कौशिक, अध्यक्ष, केंद्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ने हिंदी साहित्य और संस्कृति पर अपने विचार साझा किए। नराकास सदस्य सचिव श्रीमती नीना मल्होत्रा ने बैठक में चंडीगढ़ स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग की समीक्षा प्रस्तुत की।

समिति ने वर्ष 2024-25 में आयोजित प्रतियोगिताओं के 58 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए। इसके अलावा, चंडीगढ़ के केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों द्वारा प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ हिंदी पत्रिकाओं और सरकारी कार्यालयों में कार्यरत हिंदी के लेखकों को भी सम्मानित किया गया। 40 कार्यालयाध्यक्षों/प्रमुखों को भी हिंदी के प्रयोग में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।

एनएचएआई, क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा लीड एजेंसी तथा लोक निर्माण विभाग, पंजाब सरकार के सहयोग से सुरक्षित प्रणाली दृष्टिकोण एवं सड़क अभियांत्रिकी प्रथाओं पर राज्य-स्तरीय कार्यशाला का किया आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा लीड एजेंसी तथा लोक निर्माण विभाग, पंजाब सरकार के सहयोग से आज चंडीगढ़ में सुरक्षित प्रणाली दृष्टिकोण एवं सड़क अभियांत्रिकी प्रथाओं पर एक राज्य-स्तरीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में क्षेत्र में सड़क सुरक्षा परिणामों को बेहतर बनाने हेतु कार्यरत वरिष्ठ नीति-निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों, अभियंताओं, योजनाकारों तथा अन्य प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य सुरक्षित प्रणाली दृष्टिकोण को अपनाकर सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करना था। यह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अवधारणा है, जिसमें सड़क डिज़ाइन एवं प्रबंधन के केंद्र में मानवीय कमजोरी एवं संभावित त्रुटियों को रखा जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अपरिहार्य मानवीय गलतियों से मृत्यु या गंभीर चोट न लगे।

यह दृष्टिकोण दुर्घटनाओं के लिए केवल सड़क उपयोगकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराने के बजाय, सुरक्षित अवसंरचना, साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेपों तथा बहु-विषयक समन्वय के माध्यम से एक क्षमाशील एवं लचीले सड़क परिवेश के निर्माण पर बल देता है।

इस अवसर पर पंजाब के लोक निर्माण विभाग मंत्री, श्री हरभजन सिंह ईटीओ ने कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने राजमार्ग सुरक्षा एवं अभियांत्रिकी उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र और राज्य के प्रयासों के तालमेल पर जोर दिया।

कार्यशाला का शुभारंभ एनएचएआई, क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ के क्षेत्रीय अधिकारी श्री राकेश कुमार के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने सड़क सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के समाधान हेतु एक समग्र, अभियांत्रिकी-आधारित रणनीति अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि राजमार्गों के डिज़ाइन में उभरती प्रवृत्तियों के अनुरूप मानव सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता, वैज्ञानिक योजना तथा दुर्घटनाओं एवं मृत्यु दर में कमी लाने के लिए विभिन्न संबंधित एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

कार्यशाला को भारतीय प्रशासनिक सेवा की राज्य परिवहन आयुक्त एवं महानिदेशक, सड़क सुरक्षा (लीड एजेंसी), पंजाब सुश्री प्रणीत शेरगिल; भारतीय प्रशासनिक सेवा की विशेष सचिव, लोक निर्माण विभाग, पंजाब सरकार सुश्री हरगुनजीत कौर; तथा भारतीय पुलिस सेवा के विशेष पुलिस महानिदेशक (यातायात), पंजाब श्री ए. एस. राय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी संबोधित किया। अपने संबोधनों में वक्ताओं ने मजबूत संस्थागत समन्वय, आंकड़ा-आधारित निर्णय-प्रणाली तथा अभियांत्रिकी, प्रवर्तन एवं नीतिगत उपायों के एकीकृत क्रियान्वयन के माध्यम से सुरक्षित प्रणाली दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं एवं गंभीर चोटों में निरंतर कमी लाने हेतु सड़क अभियांत्रिकी पद्धतियों, यातायात प्रबंधन तथा प्रवर्तन तंत्र को सुदृढ़ करने के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियाँ एवं विचार-विमर्श किए गए। एनएचएआई मुख्यालय के सलाहकार (सड़क सुरक्षा) श्री सुदर्शन के. पोपली ने राजमार्गों के सुरक्षित अभियांत्रिकी डिज़ाइन से संबंधित तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी तथा यह स्पष्ट किया कि सुरक्षित सड़क अवसंरचना एवं अग्रसक्रिय सुरक्षा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से सड़क दुर्घटनाओं की गंभीरता में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

एमसीएम में 'इफेक्टिव सेल्स एंड मार्केटिंग स्ट्रेटेजीज़ फॉर स्टार्ट-अप्स' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के स्टार्ट-अप सेल ने स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग के सहयोग से तथा संस्थान के इनोवेशन काउंसिल के तत्वावधान में 'इफेक्टिव सेल्स एंड मार्केटिंग स्ट्रेटेजीज़ फॉर स्टार्ट-अप्स' विषय पर तीन दिवसीय अंतर-महाविद्यालयीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं उभरते उद्यमियों को आधुनिक बिक्री एवं विपणन प्रक्रियाओं, नैतिक व्यावसायिक आचरण, उभरती तकनीकों तथा वास्तविक उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था।

कार्यशाला का शुभारंभ टेडेक्स वक्ता एवं स्टार्ट-अप कोच, सुश्री स्वरलीन कौर, के ज्ञानवर्धक सत्र से हुआ। उन्होंने सतत (सस्टेनेबल) बिक्री रणनीतियों पर प्रकाश डालते हुए स्टार्ट-अप्स को समर्थन देने वाली विभिन्न सरकारी पहलों—जैसे स्टार्टअप इंडिया सीड फंड एवं अटल इनोवेशन मिशन—के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके पश्चात बेक कॉस्मेटिक्स की संस्थापक सुश्री दृष्टि खरबंदा ने मनोविज्ञान आधारित प्रचार रणनीतियों, उपभोक्ता व्यवहार, सहानुभूति-आधारित ब्रांडिंग तथा उद्यमिता में लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ने की आवश्यकता पर चर्चा की। कार्यशाला के दूसरे दिन गुरुग्राम स्थित फील्डअसिस्ट के सह-संस्थापक, श्री परमदीप सिंह आनंद ने अपने संबोधन में नैतिक एवं सामाजिक रूप से उत्तरदायी बिक्री प्रथाओं तथा उनके दीर्घकालिक प्रभाव एवं व्यावसायिक स्थिरता पर बल दिया। इसके बाद जेनॉफ टेक प्रा. लि. एवं मनींदर वेव, की संस्थापक सुश्री मनींदर कौर पनेसर, ने प्रतिभागियों को सोशल मीडिया के माध्यम से बिक्री तकनीकों, डिजिटल ब्रांडिंग, एसईओ, एआई टूल्स तथा प्लेटफॉर्म-विशिष्ट विपणन रणनीतियों से परिचित कराया। कार्यशाला का समापन समीक्षा एवं प्रस्तुति सत्र के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने कार्यक्रम के दौरान समूह चर्चाओं एवं ब्रेनस्टॉर्मिंग गतिविधियों के माध्यम से विकसित छात्र-प्रेरित स्टार्ट-अप्स पर आधारित केस स्टडीज़ प्रस्तुत कीं।

नेशनल स्कूल गेम्स : चण्डीगढ़ की अंडर-19 बेसबॉल टीम ने जीता कांस्य पदक, मध्य प्रदेश को 8-0 से दी करारी शिकस्त

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। दिल्ली में आयोजित 69वीं नेशनल स्कूल गेम्स में चंडीगढ़ की अंडर-19 लड़कों की बेसबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया है। प्रतियोगिता के अंतिम मुकाबले में चंडीगढ़ के खिलाड़ियों ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए मध्य प्रदेश की टीम को 8-0 के बड़े अंतर से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। चंडीगढ़ की इस जीत के साथ ही शहर के खेल जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है।

रोमांचक रहा सेमीफाइनल तक का सफर

चंडीगढ़ की टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा था। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चंडीगढ़ ने हरियाणा की मजबूत टीम को 7-4 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। हालांकि, सेमीफाइनल में चंडीगढ़ का मुकाबला छत्तीसगढ़ से हुआ, जहाँ एक कड़े संघर्ष के बाद छत्तीसगढ़ ने चंडीगढ़ को 3-0 से मात दी। इस हार के बाद चंडीगढ़ ने तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में शानदार वापसी की और पदक तालिका में अपना नाम दर्ज कराया।

नागरिक सहभागिता और सामाजिक संगठनों के सहयोग से चण्डीगढ़ को एक आदर्श, स्वच्छ एवं समावेशी शहर बनाया जाएगा : सौरभ जोशी

अहिंसा चैरिटेबल सेवा समिति द्वारा महापौर सौरभ जोशी का सम्मान

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चण्डीगढ़ नगर निगम में आयोजित एक शिष्टाचार भेंट के दौरान अहिंसा चैरिटेबल सेवा समिति, चण्डीगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने नवनिर्वाचित महापौर सौरभ जोशी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर समिति की ओर से शशि शंकर तिवारी (सचिव) प्रदेश भाजपा चंडीगढ़, राजेंद्र प्रसाद जैन (डीएमसी), सुरिंदर जैन अमरावती, रजनीश जैन, सचिन जैन, छोटेलाल, यशपाल अग्रवाल तथा प्रवीन कुमार जैन उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने महापौर सौरभ जोशी के नेतृत्व में चंडीगढ़ के सर्वांगीण विकास, नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा सामाजिक समरसता को नई दिशा मिलने की आशा व्यक्त की। समिति के सदस्यों ने कहा कि अहिंसा चैरिटेबल सेवा समिति समाज सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत है और भविष्य में नगर प्रशासन के साथ मिलकर जनहित के कार्यों में सकारात्मक सहयोग हेतु प्रतिबद्ध है। महापौर सौरभ जोशी ने समिति के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नागरिक सहभागिता और सामाजिक संगठनों के सहयोग से चंडीगढ़ को एक आदर्श, स्वच्छ एवं समावेशी शहर बनाया जाएगा।